

दैनिक

मीडियाऑडिटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: त्रीफ बॉक्स :

गुजरात-जूनागढ़ में तेंदुए ने 6 साल की बच्ची को उठया खेत में मिला शव; पकड़ने के लिए 8 पिंजरे लगाए गए



जूनगढ़,एजेंसी। गुजरात के जूनागढ़ जिले में बुधवार रात तेंदुए ने 6 साल की बच्ची पर हमला कर उसे मार डाला। बच्ची की पहचान प्रिशा सोलंकी के रूप में हुई है। घटना का CCTV वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। घटना मेंदरडा में थोभणभाई कोराट के खेत में हुई। गिर वेस्ट डिविजन के DFO प्रशंत तोमर के मुताबिक, तेंदुए के हमले के बाद बच्ची का शव खेत के पास मिला। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने आसपास 8 पिंजरे लगाए हैं। इलाके में लगातार गश्त कर तेंदुए की तलाश की जा रही है। वन विभाग ने लोगों से रात के समय सावधानी बरतने की अपील की है।

कोर्ट से 7 विदेशियों को यूएस-यूक्रेन जाने की परमिशन

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की एक स्पेशल कोर्ट ने गुरुवार को सात विदेशी नागरिकों को परिवार से मिलने के लिए विदेश जाने की परमिशन दी। इनमें अमेरिकी भाड़े के सैनिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक और 6 यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं।

एनआईए कोर्ट ने सभी आरोपियों को अधिकतम एक महीने के लिए अमेरिका और यूक्रेन जाने की परमिशन दी है। इसके बाद उन्हें भारत लौटना होगा और वापसी के 72 घंटे के भीतर कोर्ट को इसकी जानकारी देनी होगी।

NIA ने मार्च 2026 में अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक समेत सात विदेशी नागरिकों को म्यांमार के ट्रेनिंग कैंप में उग्रवादियों के हथियार-ड्रोन की ट्रेनिंग देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। विदेश जाने की अनुमति पाने वाले यूक्रेनी नागरिकों में हर्बां पेट्रो, स्लिवियाक तारास, इवान सुखमानोव्स्की, स्टेफानकिव मारियन, होंचारुक मैक्सिम उर्फ मैक्सिम और कामिन्स्की विक्टर शामिल हैं।

एअर इंडिया पायलट अल्कोहल टेस्ट में फेल होने पर सस्पेंड



नई दिल्ली,एजेंसी। एअर इंडिया के पायलट को 6 सितंबर की ज्यूरिख-दिल्ली फ्लाइट से पहले अल्कोहल टेस्ट में फेल होने पर शुक्रवार को सस्पेंड कर दिया गया है। टेकऑफ से कुछ समय पहले उसे ज्यूरिख एयरपोर्ट पर विमान से उतार दिया गया था और यात्री के तौर पर भारत भेजा गया था।

अंतिम मेडिकल रिपोर्ट और जांच पूरी होने तक पायलट का निलंबन जारी रहेगा। एअर इंडिया ने कहा कि वह सुरक्षा, नियमों और प्रोटोकॉल के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करती। पुष्टि होने पर कंपनी की नीति और नियमों के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाती है।

एयरलाइन ने यह भी कहा कि सभी फ्लाइट ड्यू को सुरक्षा, प्रोफेशनलिज्म और जवाबदेही के मानकों का पालन करने की याद दिलाई गई है। साइकोएक्टिव पदार्थों की जांच भी अनिवार्य है।

फुकेत-दिल्ली फ्लाइट का पायलट भी ड्रग टेस्ट में पॉजिटिव: यह मामला एयर इंडिया के एक अन्य पायलट के मारिजुआना टेस्ट में पॉजिटिव आने के कुछ दिन बाद सामने आया है।

4 अगस्त को फुकेत-दिल्ली फ्लाइट के कमांडर का ड्रग टेस्ट दो बार पॉजिटिव आया था। उड़ान के दौरान विमान करीब 300 फीट नीचे आ गया था। विमान में 145 लोग सवार थे, जिनमें 20 से ज्यादा यात्री और 4 क्रू मेंबर घायल हुए।

सेवा संकल्प अभियान: पीएम मोदी बोले- समाज के लिए काम करें, वोटबैंक की राजनीति के लिए नहीं

वाराणसी से वडनगर जा रहे बाइकर्स से बात की

नई दिल्ली,एजेंसी। पीएम मोदी ने शुक्रवार को वाराणसी से वडनगर जा रहे सेवा यात्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। उन्होंने कहा कि हम गांधी जी के जीवन की ओर देखते हैं, तो वे अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ने और आजादी का आंदोलन चलाने के साथ-साथ एक बड़े सामाजिक सुधारक भी थे।

समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ उन्होंने हमेशा काम किया। इसलिए हमें भी समाज में निरंतर सुधार और सकारात्मक परिवर्तन के लिए काम करते रहना चाहिए, केवल वोटबैंक की



राजनीति के लिए नहीं। दरअसल, दो बाइक रैलियों को 17 सितंबर को पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन पर रवाना किया गया था। एक रैली उनके जन्मस्थान वडनगर से वाराणसी और दूसरी वाराणसी से

पीएम मोदी ने लोगों से जुड़ने को बताया खास अनुभव... प्रधानमंत्री ने सेवा यात्रा से जुड़े अनुभवों के दौरान लोगों के साथ सीधे संवाद के महत्व पर जोर दिया। यात्रा में शामिल युवाओं को अलग-अलग क्षेत्रों और समुदायों के लोगों से मिलने का मौका मिल रहा है। इससे उन्हें जमीन पर लोगों की जिंदगी और उनकी जरूरतों को समझने का अवसर मिलता है।

वडनगर के लिए निकली है। दोनों यात्राएं 7 अक्टूबर को पूरी होंगी। ये रैलियां मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को चिह्नित करने के लिए निकाली जा रही हैं।

इटली में स्कूलों में बुर्का-नकाब पर बैन



रोम,एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलेनी की सरकार ने स्कूलों के लिए नए नियमों को मंजूरी दी है। इसके तहत स्कूलों में बुर्का और नकाब जैसे पूरे चेहरे को ढकने वाले कपड़ों पर रोक लगा दी गई है। नियम तोड़ने पर 1000 यूरो यानी करीब 1 लाख रुपए तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ ही कुछ विदेशी छात्रों की संख्या एक क्लास में 30% तक

सीमित की गई है। हालांकि, हिजाब यानी सिर और बाल ढकने वाले स्कार्फ पर यह रोक लागू नहीं होगी। अगर चेहरा ढकने वाला छात्र नाबालिग है तो जुर्माना उसके माता-पिता पर लगाया जा सकता है।

नए नियमों को 60 दिन के भीतर संसद से पास कराना जरूरी: नए नियम फिलहाल डिक्की-लॉ यानी अस्थायी कानून के तौर पर लागू होंगे।इन्हें स्थायी कानून बनाने के लिए 60 दिनों के अंदर संसद को मंजूरी लेनी होगी। सरकार का

कहना है कि इन नियमों का मकसद विदेशी छात्रों को इटली की स्कूल व्यवस्था में बेहतर तरीके से घुलने-मिलने और इटैलियन भाषा सीखने में मदद करना है। प्राइमरी स्कूलों में उन बच्चों को इस गिनती में शामिल किया जाएगा, जो इटली में पैदा नहीं हुए हैं या जिन्होंने इटली की शिक्षा व्यवस्था में कम से कम 2 साल प्री-स्कूल नहीं किया है। सेंकेंडरी स्कूलों में उन गैर-इटैलियन छात्रों को गिना जाएगा, जिन्होंने इटली की राष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था में कम से कम 3 साल

हर विदेशी छात्र पर 30% की सीमा नहीं... सरकार ने साफ किया है कि 30% की सीमा हर गैर-इटैलियन छात्र पर लागू नहीं होगी। यह उन कुछ विदेशी छात्रों के लिए है, जिन्हें इटैलियन भाषा या स्कूल व्यवस्था में पर्याप्त अनुभव नहीं है।

गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के साथ देशभर में गणेश विसर्जन मुंबई में 25000 जवान रहे तैनात

● 350 से ज्यादा कुंड बनाए गए ● हैदराबाद में 10 हजार सीसीटीवी से निगरानी



नई दिल्ली/ भोपाल/जयपुर/ रायपुर/पटना/ लखनऊ, एजेंसी। शुक्रवार को गणेश उत्सव का आखिरी दिन था। देशभर में गणेश प्रतिमाओं का नदियों, तालाबों, झीलों और कृत्रिम कुंडों में विसर्जन किया गया।



मुंबई में 25 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। विसर्जन के लिए 383 कृत्रिम कुंड बनाए गए थे। हैदराबाद में भी 25-30 हजार पुलिसकर्मी सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को संभाला। निगरानी के लिए 24 ड्रोन और 10



हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। हुसैन सागर के आसपास 100 अतिरिक्त कैमरे, जबकि झील किनारे क्रैन, इमरजेंसी बोट, गोलाखोर और मेडिकल पोस्ट तैनात किए गए। जुलूसों के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन और कई

पाबंदियां लागू रही।

मुंबई में पिछले 10 दिन में डेढ़ लाख से ज्यादा मूर्तियों का विसर्जन: BMC के अनुसार, इस साल अब तक 12 दिनों तक चलने वाले त्योहार के दौरान डेढ़ दिन, पांच दिन, छह दिन और सात दिन की अवधि में 1,63,386 गणपति मूर्तियों का विसर्जन किया गया है। कई जुलूसों में पारंपरिक ढोल-ताशा दल शामिल रहे। श्रद्धालु नाचते और भक्ति के जयकारे लगाते हुए गिरगांव चौपाटी की ओर बढ़े। गिरगांव चौपाटी मुंबई के प्रमुख विसर्जन स्थलों में से एक है। इसके अलावा अन्य विसर्जन स्थलों की ओर भी जुलूस रवाना हुए।

लालबाग इलाके में बड़ी संख्या में जुटे श्रद्धालु...

लालबाग इलाके में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, सड़कों के किनारे जुटे। लोगों ने रंग-बिरंगे विसर्जन जुलूस और 'पुष्पवृष्टि' यानी गणेश प्रतिमाओं पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाने का दृश्य देखा और उत्सव के माहौल का आनंद लिया। गणेशोत्सव के दौरान मुंबई और देश के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग लालबाग पहुंचते हैं। यहां प्रसिद्ध लालबागवा राजा समेत कई गणेश पंडालों में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का देशभर में प्रदर्शन

काँकरोच पार्टी ने सीईसी का इस्तीफा मांगा, 2 अक्टूबर से आंदोलन का ऐलान

» सड़कों पर उतरे कार्यकर्ता

दिल्ली/ पटना/ देहरादून, एजेंसी। कांग्रेस शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन कर रही है। उत्तराखंड के देहरादून में कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इधर, काँकरोच जनता पार्टी (CJP) ने शुक्रवार को कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 2 अक्टूबर से देशव्यापी आंदोलन करेगा। फाउंडर अभिजीत दीपक ने कहा- आंदोलन को हर शहर में ले



जाएंगे। CJP ने गुरुवार को ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे की डेडलाइन दी थी। SIR को लेकर CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में स्टूक के फैसलों, दिशानिर्देशों और सॉफ्टवेयर बदलावों को असंवैधानिक घोषित करने और करीब 13 करोड़ वोटर्स के नाम हटाने की SIA जांच की मांग है।

यूपी में मुख्य चुनाव आयुक्त के 2 कार्यक्रम स्थगित... चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश में दो कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। इनमें CEC ज्ञानेश कुमार शामिल होने वाले थे। पहला कार्यक्रम मेरठ में 25 सितंबर को और दूसरा वाराणसी में 28 सितंबर को था। EC ने कहा कि दोनों कार्यक्रम 21 सितंबर को ही स्थगित किए गए थे और इसका मौजूदा विवाद से कोई संबंध नहीं है।

चुनाव आयुक्तों की आपत्ति के बावजूद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर से जुड़े 14 आदेश जारी किए।

मणिपुर में उग्रवादियों ने 4 नगा लोगों की हत्या की

आरोपी म्यांमार से आए थे; बाजार बंद का ऐलान, इस साल अब तक 44 मौतें



कामजोंग,एजेंसी। मणिपुर के कामजोंग जिले में गुरुवार शाम चार नगा लोगों की हत्या कर दी गई। स्थानीय लोगों ने हत्या का आरोप कुकी नेशनल आर्मी-बर्मा (KNA-B) के उग्रवादियों पर लगाया है। पुलिस के मुताबिक, हथियारों से लैस उग्रवादियों ने पिलोंग नगा गांव में ग्रामीणों पर गोलीबारी की थी।

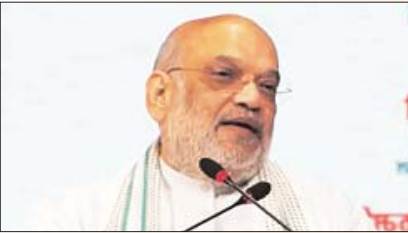
पिलोंग नगा गांव कामजोंग जिला

पोस्टमॉर्टम के लिए कामजोंग जिला मुख्यालय लाए गए हैं।

घटना के बाद तांगखुल नगा लॉन्ग (TNL) ने हत्याओं की निंदा करते हुए शुक्रवार सुबह 7 बजे से 24 घंटे के आपातकालीन बंद का ऐलान किया। स्थानीय संगठनों के मुताबिक, फरवरी में शुरू हुई हिंसा के बाद इस साल अब तक 44 लोगों की मौत हो चुकी है।

शाह बोले- योगी ने सपा की गुंडागर्दी नेस्तनाबूद की

सारे माफिया साफ हो गए, एक गाड़ी में बैठकर घूमे, मंच पर काफी देर बात की



नोएडा,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सीएम योगी की तारीफ की। कहा- योगी सरकार ने सपा-बसपा की गुंडागर्दी को नेस्तनाबूद कर दिया। सारे माफिया समाप्त हो गए। अब यूपी में बनी ब्रह्मोस मिसाइलें पाकिस्तान की नींद उड़ा देती हैं। शाह ने कहा- सपा-बसपा के शासन में अपराध की इंडस्ट्री चलती

थी। कट्टा-तमंचा का कुटीर उद्योग लगता था। कट्टा उद्योग की जगह आज डिफेंस कारिडोर बना है। अमेठी में बनी राइफल नक्सलवादियों और आतंकियों की नींद उड़ा चुकी है।

शाह सुबह साढ़े 11 बजे ट्रेड शो में पहुंचे। सीएम योगी पहले से ही वहां मौजूद थे। दोनों नेताओं ने एक साथ इलेक्ट्रिक गाड़ी (गोल्फ कार्ट) में बैठकर ट्रेड शो देखा। स्टॉल पर प्रोडक्ट्स की जानकारी ली। मंच पर दोनों नेता काफी देर तक बातचीत करते रहे। योगी ने गृहमंत्री को राधा-कृष्ण की मूर्ति भेंट की।

शाह ने कहा- यूपी में बने ब्रह्मोस पाकिस्तान की नींद उड़ा देते हैं: अमित शाह ने कहा- देशभर में बने डिफेंस के उत्पाद का विकास हुआ है। 2013-14 की तुलना में हमने 56 गुना ग्रोथ की है। इसमें यूपी ने ढेर सारा काम किया है।

सीएम बोले- यूपी में कभी पोर्टेथिल की कमी नहीं थी, जरूरत पहचानने की थी

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत कभी दुनिया में 'सोने की चिड़िया' के रूप में जाना जाता था। लेकिन देश की शक्तियां विभाजित हुईं तो भारत गुलाम हुआ। उस दौर में सिर्फ देश को ही गुलामी नहीं झेलनी पड़ी, बल्कि यहां के हस्तशिल्प, बुनकरों और पारंपरिक हुनर को भी नुकसान पहुंचाया गया। आजादी के बाद भी लंबे समय तक इन हुनरमंदों को अपेक्षित मंच नहीं मिला। इससे नई पीढ़ी अपने पारंपरिक व्यवसाय और जड़ों से दूर होने लगी। उत्तर प्रदेश में क्षमता की कोई कमी नहीं थी, जरूरत उसे पहचानने की थी। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद पारंपरिक उद्यमों को 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ODOP) के जरिए नई पहचान दी गई।



संक्षिप्त समाचार

लद्दाख में भारतीय पर्वतारोहियों ने रचा इतिहास, 23 दिन में 20 चोटियां फतह



नई दिल्ली,एजेंसी। बर्फाळी हवाओं, बेहद ऊंचाई और कठिन पहाड़ी रास्तों के बीच 20 भारतीय पर्वतारोहियों ने ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो अब तक दर्ज नहीं हुआ था। लद्दाख में इन पर्वतारोहियों ने महज 23 दिनों में 6,000 मीटर से ज्यादा ऊंची 20 चोटियों को फतह कर इतिहास रचा दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता के लिए पर्वतारोहियों के दल को बधाई दी। इस अभियान में राष्ट्रीय पर्वतारोहण एवं साहसिक खेल संस्थान, दिरांग के 20 बेहद कुशल पर्वतारोही शामिल थे। दल का नेतृत्व कर्नल रणवीर सिंह जमवाल ने किया। इस ऐतिहासिक अभियान को अंजाम देने वाले दल का शुक्रवार को नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वागत किया। उन्होंने कर्तव्य भवन-2 में आयोजित समारोह में अभियान का झंडा दिखाकर दल की वापसी व स्वागत किया। अभियान के दौरान पर्वतारोहियों ने लद्दाख क्षेत्र के चमसर-लुंगसर, ग्यामा नाला और चोकुला इलाकों में 6,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली 20 ऐसी चोटियों पर चढ़ाई की, जिन पर पहले कभी सफल चढ़ाई दर्ज नहीं हुई थी। यानी इन 20 चोटियों के शिखर तक पहुंचने का अभियान पहली बार दर्ज किया गया है। खास बात यह रही कि दल ने यह चुनौती सिर्फ 23 दिनों में पूरी की।इतनी ऊंचाई पर अभियान आसान नहीं था। इसके लिए बेहतर योजना, तकनीकी कौशल, शारीरिक सहनशक्ति और पूरी टीम के बीच मजबूत तालमेल जरूरी था। अभियान के दौरान पर्वतारोहियों ने इन सभी क्षमताओं का परिचय दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दल से बातचीत करते हुए पर्वतारोहियों के साहस और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने इस उपलब्धि को भारत की पर्वतारोहण क्षमता और साहसिक खेलों में नेतृत्व का प्रदर्शन बताया। उन्होंने पर्वतारोहियों को प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा कि इन सफल आरोहणों ने नए मानदंड स्थापित किए हैं। साथ ही, यह उपलब्धि देश के युवा पर्वतारोहियों को साहसिक गतिविधियों और अन्वेषण की ओर आगे बढ़ने तथा देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित करेगी। यह अभियान ऊंचाई वाले सीमांत क्षेत्रों में साहस और अन्वेषण की भावना को बढ़ावा देने तथा आने वाली पीढ़ियों के पर्वतारोहियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस अभियान ने उच्च ऊंचाई वाले पर्वतारोहण में भारत की क्षमताओं को सामने रखा है और वैश्विक पर्वतारोहण मानचित्र पर देश की मौजूदगी को और मजबूत किया है।समाचार में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

पंजाब में पराली जलाने की 27 घटनाएं, 10 की पुष्टि, 35 हजार का जुर्माना
अमृतसर में सर्वाधिक मामले, पटियाला में जुर्माना लगा पर वसूली शून्य

चंडीगढ़,एजेंसी। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं पर नियंत्रण की कवायद के बीच पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (पीपीसीबी) ने अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) जारी की है। 24 सितंबर तक के आंकड़ों के अनुसार पूरे राज्य में कुल 27 पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें से 10 खेतों में मौके पर निरीक्षण के बाद इसकी पुष्टि भी हुई है। ये आंकड़े इसरो के मानक प्रोटोकॉल के तहत सैटेलाइट निगरानी पर आधारित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पीपीसीबी ने कुल 21 खेतों का निरीक्षण किया और 10 स्थानों पर पराली जलाने की पुष्टि हुई। इन मामलों में कुल 7 जगह पर्यावरण मुआवजा (ईसी) लगाया गया, जिससे 35,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। हालाँकि, इसमें से अब तक केवल 10,000 रुपए ही वसूले जा सके हैं। जिलेवार आंकड़ों में अमृतसर में सर्वाधिक 13 घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें से 4 की पुष्टि हुई और 5,000 रुपए का जुर्माना लगाकर वसूल भी लिया गया। फिरोजपुर में 4 मामलों में से 3 की पुष्टि हुई, जहां 15,000 रुपए का जुर्माना लगा, जिसमें से 5,000 रुपए वसूले गए।

हिमाचल में तीन दिन 50 किलोमीटर की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट, भारी बारिश और बिजली गिरने की भी चेतावनी

शिमला ,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ने के बाद पिछले कई दिनों से मौसम शुष्क बना हुआ है, लेकिन अब राज्य में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 26 से 28 सितंबर तक प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश, बिजली गिरने और आंधी चलने का अनुमान है। मौसम विभाग ने इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान चलने का अलर्ट जारी किया है। तीन दिनों के दौरान भारी बारिश को लेकर भी अलग-अलग स्तर की चेतावनी जारी की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 26 सितंबर को कुछ स्थानों पर गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ बारिश हो सकती है। इस दिन शिमला, सोलन और सिरमौर में येलो अलर्ट जारी किया गया है। 27 सितंबर को मौसम ज्यादा खराब रहने की आशंका है। इस दिन हमीरपुर, चंबा और लाहौल-स्पीति को छोड़कर प्रदेश के अन्य नौ जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। सिरमौर में ऑरेंज अलर्ट और अन्य जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। 28 सितंबर को भी शिमला, सोलन और



सिरमौर में भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा। इन तीनों दिनों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ तूफान चलने की चेतावनी भी दी गई है। मौसम विभाग ने 26 और 27 सितंबर को राज्य में मौसम खराब रहने का पूर्वानुमान जताया है। 26 सितंबर को गरज-चमक के साथ बारिश और बिजली गिरने की आशंका है। 27 सितंबर को कुछ क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने इस दिन लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। पहाड़ी क्षेत्रों में तेज बारिश के

दौरान भूस्खलन और सड़कों पर यातायात प्रभावित होने की आशंका बनी रहेगी। तेज हवाओं के दौरान पेड़, बिजली के खंभे और अन्य कमजोर ढांचे प्रभावित हो सकते हैं। इस बीच, राज्य में पिछले दिनों हुई मानसूनी बारिश का असर कई क्षेत्रों में अभी भी दिखाई दे रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार शुक्रवार सुबह तक प्रदेश में 42 सड़कें भूस्खलन के कारण बंद थीं। हालांकि, किसी बिजली परियोजना या पेयजल योजना के बंद होने की रिपोर्ट नहीं है। अगले तीन दिनों में

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होगे हर संभव प्रयास : बहुगुणा



उत्तरकाशी ,एजेंसी। अस्सी गंगा घाटी के अगोड़ा में आयोजित श्री गणेश महोत्सव में शामिल हुए प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड देवताओं की भूमि है। जहां यहां कण-कण में देवों का वास है। श्री गणेश की जन्मस्थली और माता अन्नपूर्णा की पावन भूमि पर आने का सौभाग्य मिलना भरे लिए गौरव की बात है। हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं हमारी पहचान हैं, जिन्हें आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि गंगोत्री से अगोड़ा मार्ग के

मरम्मत कार्य को 15 अक्टूबर तक शुरू कर दिया जाएगा। भटवाड़ी ब्लॉक के अगोड़ा गांव में डोडीताल मंदिर समिति कैलाश की ओर से आयोजित श्री गणेश महोत्सव में गुरुवार साय को प्रदेश के काबीना मंत्री सौरभ बहुगुणा ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने पशु चिकित्सालय में आवासीय भवन की आवश्यकता को देखते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का भी

आश्वासन दिया। क्षेत्र में ट्रैक रूट के विकास तथा धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीणों से क्षेत्रीय विधायक के साथ प्रस्ताव तैयार कर पर्यटन मंत्री से मुलाकात कर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। कहा कि गत अगस्त माह में पूर्व डासड़ा में 132 भेड़-बकरियों की मृत्यु पर प्रभावित पशुपालकों को एसडीआरएफ मद से 5 लाख 36 हजार रुपये की मुआवजा राशि दी गई है। कार्यक्रम में मौजूद क्षेत्रीय विधायक सुरेश चौहान ने कहा कि क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के साथ विकास कार्यों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में धार्मिक एवं पर्यटन गतिविधियों के विकास से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान, दर्जाधारी राज्यमंत्री प्रताप पंवार, रयाम डोभाल, गिरीश भट्ट, ब्लॉक प्रमुख ममता पंवार, महावीर नेगी, परशुराम जगुड़ी, कुलदीप नेगी, हीरालाल शाह, डोडीताल मंदिर समिति अध्यक्ष बलदेव राणा, सचिव उमेश पंवार, पुजारी राधेश्याम खंडूड़ी सहित अन्य पदाधिकारी जिलाधिकारी प्रशांत आर्य, पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

यूएन में बालेंद्र शाह का पहला भाषण: आपदा प्रबंधन पर दिया जोर, भारत-चीन का नाम लेकर कह दी ये बड़ी बात

न्यूयॉर्क,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने हिमालयी क्षेत्र में जलवायु संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए नेपाल, भारत और चीन के नेतृत्व में एक साझा तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग बढ़ाने की अपील की। बालेंद्र शाह ने कहा कि इस तंत्र के जरिए तीनों देश उपग्रह से मिले आंकड़े और विशेषज्ञता साझा कर सकते हैं। साथ ही खतरनाक ग्लेशियल झीलों की निगरानी और संयुक्त प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब कोई आपदा आए तो सीमाओं के पार राहत और सहायता के लिए समन्वय किया जाना चाहिए।

बालेंद्र शाह ने भारत-चीन से की क्या अपील:नेपाल के पीएम शाह ने कहा, 'हम नेपाल, भारत और चीन के नेतृत्व में हिमालयी जलवायु के लिए तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखते हैं। इस तंत्र के जरिए उपग्रह डेटा और विशेषज्ञता साझा करें। खतरनाक ग्लेशियल झीलों की निगरानी करें। संयुक्त प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करें। जब आपदा आए तो सीमाओं के पार सहायता का

समन्वय करें। हिमालय खंडित सूचनाओं की सीमा के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग की प्रयोगशाला बने। '

नेपाल बाढ़ त्रासदी को लेकर क्या बोले बालेंद्र शाह:नेपाल के प्रधानमंत्री ने बाढ़ के बाद मदद के लिए विभिन्न देशों और संगठनों का आभार भी जताया। उन्होंने कहा, 'मैं बाढ़ के बाद हमारी सहायता के लिए आगे आने वाले सभी लोगों के प्रति नेपाल का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। हमारे तत्काल पड़ोसी भारत और चीन ने तेजी से और उदार सहायता प्रदान की। अन्य मित्र देशों, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली, मानवीय सहायता एजेंसियों, पर्येकारी संगठनों और दुनिया भर के लोगों ने नेपाल का साथ दिया। उन सभी से मैं नेपाल की कृतज्ञ जनता की ओर से धन्यवाद कहता हूं ।'

बालेंद्र शाह ने नेपाल बाढ़ त्रासदी को क्यों बताया दुनिया के लिए चेतावनी: उन्होंने कहा, 'भूटोकशी-त्रिशूली आपदा केवल एक स्थानीय त्रासदी नहीं थी, यह दुनिया के लिए एक चेतावनी थी। मैं आज आपसे पूछता हूं: क्या हमने नास्तव में उस चेतावनी को सुना है नेपाल के लिए जलवायु आपदा केवल मानवीय संकट नहीं, बल्कि विकास के लिए भी आपात स्थिति है।

नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत को लेकर खोले पते: रिश्तों को बताया बेहतरीन, जयशंकर से मुलाकात का भी किया जिक्र

वाशिंगटन,एजेंसी। न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आता रहा है, लेकिन अभी नेपाल और भारत के बीच रिश्ते अछूत दौर में हैं। उन्होंने कहा कि काठमांडो भारत के साथ संबंधों में मतभेदों के बजाय अवसरों पर ध्यान देते हुए व्यावहारिक तरीका अपना रहा है।

भारत के साथ रिश्तों पर नेपाल के विदेश मंत्री ने क्या कहा: शिशिर खनाल ने कहा कि नेपाल और भारत के संबंध बहुत मजबूत और कई स्तरों वाले हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल के कुल व्यापार का करीब दो-तिहाई हिस्सा भारत के साथ होता है। दोनों देशों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध भी काफी मजबूत हैं। खनाल ने कहा कि राजनीतिक स्तर पर कभी-कभी रिश्तों में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है, लेकिन मौजूदा समय में दोनों देशों के संबंधों को वह बेहतरीन मानते हैं। उन्होंने यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल की नई सरकार के बीच संबंधों से जुड़े सवाल के जवाब में कही।

जयशंकर से मुलाकात में किन मुद्दों पर हुई बात: खनाल ने बताया कि उन्होंने न्यूयॉर्क में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच



भारत-नेपाल संबंधों और आपसी हित के मुद्दों पर बातचीत हुई। इसमें विकास साझेदारी और ऊर्जा सहयोग की प्रगति पर चर्चा हुई। नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत के साथ संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। यह बातचीत संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र से इतर हुई।

भारत और चीन के बीच नेपाल किस नीति पर चल रहा: भारत और चीन के बीच संतुलन को लेकर पूछे गए सवाल पर खनाल ने कहा कि नेपाल अब रिश्तों को केवल

वैचारिक नजरिए से देखने के बजाय व्यावहारिक सहयोग पर ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों के साथ सीमा जैसे विवादित मुद्दे हो सकते हैं, लेकिन नेपाल का मौजूदा तरीका यह देखने का है कि सहयोग के कौन-कौन से अवसर मौजूद हैं। भारत के साथ ऊर्जा व्यापार को उन्होंने इसी व्यावहारिक नीति का उदाहरण बताया। खनाल ने कहा कि नेपाल की अर्थव्यवस्था आयात पर काफी निर्भर है, इसलिए ऊर्जा और व्यापार में सहयोग उसके लिए महत्वपूर्ण है।

भारत के साथ नेपाल के लिए ऊर्जा और बाजार क्यों अहम: खनाल ने कहा कि नेपाल की भौगोलिक स्थिति उसके लिए बड़ी आर्थिक संभावना बन सकती है। उन्होंने भारत के साथ 1,700 किलोमीटर से अधिक लंबी खुली सीमा का जिक्र किया।

यह सीमा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से जुड़ती है। उन्होंने बताया कि नेपाल के पास आर्थिक रूप से उपयोगी करीब 43 गीगावाट जलविद्युत क्षमता है और देश 2035 तक 28,000 मेगावाट तक पहुंचने की दिशा में काम करना चाहता है। इससे भारत और आगे बांग्लादेश को स्वच्छ बिजली निर्यात करने की संभावना है।

तूफान, बिजली गिरने और भारी बारिश की प्रभावित पहाड़ी सड़कों पर आवाजाही प्रभावित चेतावनी को देखते हुए पहले से भूस्खलन होने की आशंका है।

मानसून में बारिश से जुड़े हादसों में 360 लोगों की मौत

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के आंकड़ों के अनुसार इस मानसून सीजन में बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 360 लोगों की मौत हुई है, जबकि चार लोग लापता हैं और 610 लोग घायल हुए हैं। शिमला में सबसे अधिक 52 मौतें दर्ज की गई हैं। कांगड़ा में 45, चंबा में 44, सिरमौर में 39, मंडी में 36, कुल्लू में 33, लाहौल-स्पीति में 25, सोलन और ऊना में 24-24, किन्नौर में 19, हमीरपुर में 10 और बिलासपुर में नौ लोगों की मौत हुई है। इनमें 214 लोगों की मौत सड़क हादसों में हुई है, जबकि 146 लोगों की जान भूस्खलन, अचानक आई बाढ़, डूबने, बहने, फिसलने और बारिश से जुड़े अन्य हादसों में गई है। मानसून के दौरान 579 मवेशियों की भी मौत हुई है।

143 घर पूरी तरह ध्वस्त, 3,219 करोड़ रुपये का नुकसान

मानसून के दौरान प्रदेश में 143 घर पूरी तरह ध्वस्त हुए हैं। इनमें 43 कच्चे और 100 पक्के घर शामिल हैं। 525 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 18 दुकानें, पांच घराट और 495 पशुशालाएं पूरी तरह ध्वस्त हुई हैं। राज्य में चल और अचल संपत्ति को कुल 3,219 करोड़ रुपये का नुकसान आंका गया है। इसमें लोक निर्माण विभाग को सड़कों और पुलों के क्षतिग्रस्त होने से 2,744 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस मानसून सीजन में हिमाचल प्रदेश में अब तक सामान्य से करीब 10 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान भी प्रदेश में बहुत कम बारिश हुई। सिरमौर के धौलाकुआं में चार मिलीमीटर, कांगड़ा के धर्मशाला में दो मिलीमीटर और सिरमौर के नाहन में एक मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

320 किमी/ घंटा पर बिना झटके ट्रैक बदलेगी बुलेट ट्रेन

आधुनिक कैटेड टर्नआउट तकनीक का उपयोग हो रहा

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत की महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन परियोजना में महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल किया है, जहां ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पर भी बिना किसी तेज झटके के ट्रैक बदलने में सक्षम होगी। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर चुनौती से निपटने के लिए आधुनिक कैटेड टर्नआउट तकनीक का उपयोग हो रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को झटके और कंपन से बचना है। सामान्य रेलवे ट्रैक पर इतनी तेज गति से पटरी से दूसरी पटरी पर जाना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि ट्रैक की दिशा बदलने पर पहियों और रेल पर अचानक पड़ने वाली ताकत में बदलाव होता है, जिससे तेज झटके महसूस होते हैं। इसी समस्या को दूर करने के लिए हाई-स्पीड कॉरिडोर में 'कैटेड टर्नआउट' प्रणाली अपनाई जा रही है। टर्नआउट रेलवे का वह हिस्सा होता है जिसके जरिए ट्रेन एक लाइन से दूसरी लाइन पर जाती है। कैटेड टर्नआउट में घुमावदार ट्रैक पर बाहरी रेल को अंदरूनी रेल से थोड़ा ऊंचा रखा जाता है, जिसे 'कैट' या 'बैंकिंग' कहते हैं। यह झुकाव मोड़ पर ट्रेन पर लगने वाली केंद्रीय और अपकेंद्री ताकतों को संतुलित करता है। यह तकनीक टर्नआउट वाले हिस्से में भी इस झुकाव को बनाए रखती है, जिससे ट्रेन अचानक किसी अलग ज्यामिति में प्रवेश नहीं करती। इसके अतिरिक्त, 'मूवेबल क्रॉसिंग' का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। सामान्य क्रॉसिंग में जहां दो रेल आपस में मिलती हैं, वहां एक गैप होता है जो तेज गति पर कंपन का



कारण बनता है। मूवेबल क्रॉसिंग इस गैप को खत्म करती है, जिससे पहियों का गुजरना सुचारु होता है। इस पूरी प्रक्रिया में पॉइंट मशीन की भूमिका अहम होती है, जो टर्नआउट के हिस्सों को सही स्थिति में ले जाकर मजबूती से लॉक करती है। यह उन्नत प्रणाली न केवल यात्रियों के लिए यात्रा को अधिक आरामदायक बनाएगी, बल्कि ट्रैक बदलते समय लगने वाली अचानक की ताकतों और कंपन में कमी आने से पहियों तथा रेल पर पड़ने वाला दबाव और घिसावट भी कम होगी। इससे लंबे समय में रखरखाव की लागत और जरूरतों को घटाने में मदद मिलेगी। 320 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पर चलने वाली ट्रेनों के लिए ट्रैक, स्विचिंग सिस्टम और सिग्नलिंग में सटीकता सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर कुल 508 किलोमीटर लंबा है, जिसमें महाराष्ट्र और गुजरात के हिस्से शामिल हैं। इस परियोजना में पुल, वायाडक्ट, स्टेशन और आठ पहाड़ी सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है।

अराघची ने दिए बड़े संकेत: क्या है ईरान का वो सात दिनों वाला प्लान, जो खत्म कर सकता है पश्चिम एशिया में संघर्ष



मध्यावधि चुनाव से पहले कोई समझौता हो जाए। '
क्या अमेरिकी सेना पर हमले बंद करेगा ईरान: इससे पहले जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वाडेफुल के साथ बैठक में अराघची ने कहा कि ईरान ने कूटनीति को आगे बढ़ाने के लिए अपनी उचित शक्तें और मांगें अमेरिकी पक्ष के सामने रख दी हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सुरक्षा बहाल करने के लिए ईरान के खिलाफ अमेरिका की हस्तक्षेपकारी और आक्रामक

ईरान-अमेरिका के बीच समझौता न होने के लिए कौन जिम्मेदार : इस बीच, फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेकिशियान ने इसी साल जून में अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते को लागू नहीं किए जाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी पक्ष को जिम्मेदार ठहराया। पेजेकिशियान ने कहा, 'हम आपके राष्ट्रपति के साथ एक समझौते पर पहुंचे थे। उस समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे और उसके आधार पर हम आगे बढ़ने के लिए तैयार थे और अब भी तैयार हैं। ढांचा तय हो चुका था। हमने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं किया था। वह खुला था, बिना किसी कानूनी औचित्य के उन्होंने हम पर हमला किया। उन्होंने हमारे सम्मानित सर्वोच्च नेता की हत्या की और उन्हें शहीद कर दिया।

नेपाल-नेपाल रिश्तों में आगे किस तरह के सहयोग पर जोर:

खनाल ने कहा कि नेपाल खुद को केवल भारत और चीन के बीच स्थित छोटे देश के रूप में नहीं देखता। उनका कहना है कि दोनों बड़े पड़ोसियों का आकार भौगोलिक सच्चाई है, लेकिन यह नेपाल की महत्वाकांक्षाओं की सीमा नहीं बनाता चाहिए। चीन के साथ भी नेपाल का रुख व्यावहारिक और व्यापार आधारित रखने की बात उन्होंने कही। उन्होंने कहा कि नेपाल उत्तर और दक्षिण के रास्तों को एक-दूसरे का विकल्प नहीं मानता, बल्कि दोनों दिशाओं को जोड़कर देश को लैंड-लिंकड यानी भू-आबद्ध अर्थव्यवस्था से लैंड-लिंकड यानी जमीन के रास्ते से जुड़े आर्थिक केंद्र में बदलना चाहता है।

भारत-नेपाल रिश्तों में आगे किस तरह के सहयोग पर जोर: खनाल के बयान से साफ है कि नेपाल भारत के साथ रिश्तों को व्यापार, ऊर्जा, संपर्क और विकास के क्षेत्रों में आगे बढ़ाने पर जोर दे रहा है। उनका कहना है कि राजनीतिक मतभेदों पर अधिक ध्यान देने के बजाय व्यावहारिक सहयोग के क्षेत्रों को मजबूत करना जरूरी है। भारत के साथ व्यापार और ऊर्जा सहयोग को नेपाल अपनी आर्थिक जरूरतों से जोड़कर देख रहा है। साथ ही चीन के साथ भी संपर्क और व्यापार बढ़ाने की नीति है।



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा गुरुवार को जनपद पंचायत सीधी सभागार में जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य मूक-बधिर एवं अन्य दिव्यांगजनों के अधिकारों, सम्मान, सामाजिक सहभागिता और समाज की मुख्यधारा में उनकी भागीदारी को लेकर जागरूकता बढ़ाना रहा कार्यक्रम की शुरुआत कलेक्ट्रेट परिसर से

जागरूकता रैली के साथ हुई। रैली में दिव्यांगजनों के साथ विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और अन्य नागरिक शामिल हुए रैली के माध्यम से लोगों को सांकेतिक भाषा के महत्व तथा बधिर एवं मूक-बधिर व्यक्तियों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने का संदेश दिया गया रैली के बाद जनपद पंचायत सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ इसमें मूक-बधिर दिव्यांगजनों ने सांकेतिक भाषा के माध्यम से नाटक और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं बिना शब्दों के भावों और संकेतों के

सांकेतिक भाषा से गूंजा समानता का संदेश, मूक-बधिर दिव्यांगजनों ने दिखाई प्रतिभा

विश्व सांकेतिक भाषा दिवस पर कलेक्ट्रेट से निकली जागरूकता रैली, 140 दिव्यांगजनों ने लिया हिस्सा, सांकेतिक भाषा में नाटक-नृत्य की प्रस्तुतियों ने मोहम मन



जरिए दी गई प्रस्तुतियां कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रही उपस्थित लोगों ने दिव्यांग प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की।
सांकेतिक भाषा अधिकार

और आत्मसम्मान का माध्यम: कार्यक्रम में वर्ष 2026 की थीम बधिर लोगों के मानवाधिकारों की घोषणा के संदर्भ में सांकेतिक भाषा के महत्व पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि

महत्वपूर्ण माध्यम उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन दिव्यांगजनों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और समाज के सामने अपनी क्षमताओं को प्रस्तुत करने का अवसर देते हैं सांसद ने कहा कि शासन द्वारा दिव्यांगजनों के हित में विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं पात्र दिव्यांगजनों तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं उन्होंने दिव्यांगजनों को उपलब्ध सुविधाओं और अधिकारों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अविन हिस्सा हैं उन्हें शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सहभागिता और सम्मानजनक जीवन के समान अवसर उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों की प्रतिभा को सामने लाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जनपद पंचायत सीधी अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह परिहार ने कहा कि दिव्यांगजनों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में मंच उपलब्ध कराना भी जरूरी है इससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि सांकेतिक भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाना समावेशी समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

140 दिव्यांगजनों ने लिया हिस्सा: कार्यक्रम में करीब 140 दिव्यांगजनों ने सहभागिता की। इस दौरान दिव्यांगजनों के अधिकारों, शासन की योजनाओं और सामाजिक सहभागिता से जुड़े विषयों पर जानकारी दी गई अधिकारियों ने पात्र हितग्राहियों

को योजनाओं का लाभ लेने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण धनंजय मिश्रा, डॉ. देवेन्द्र त्रिपाठी, चंद्रप्रताप तिवारी, सूरज सिंह, प्रभात शुक्ला, राजेश मिश्रा, दीपक रावत, मिथिलेश वर्मा, विपिन तिवारी, डीडीआरसी से नम्रता मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, दिव्यांगजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन ने यह संदेश दिया कि सांकेतिक भाषा को समझना और उसका सम्मान करना केवल संवाद को आसान बनाना नहीं बल्कि दिव्यांगजनों को समान अधिकार, सम्मान और समाज में बराबरी की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है।

आपदा आए तो घबराएं नहीं, अस्पताल स्टाफ ने सीखे बचाव के तरीके

शहडोल मेडिकल कॉलेज में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण, आग, बाढ़, भूकंप और गैस रिसाव जैसी आपात स्थितियों से निपटने का दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। बिरसा मुंडा शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध अस्पताल में शुक्रवार को आपदा प्रबंधन को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के दौरान मरीजों, उनके परिजनों तथा अस्पताल के चिकित्सकीय एवं गैर-चिकित्सकीय स्टाफ की सुझा सुनिश्चित करना रहा मास्टर ट्रेनरों ने प्रतिभागियों को आपात स्थिति में घबराव के बजाय निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार त्वरित कार्रवाई करने और मरीजों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने के तरीके बताए प्रशिक्षण में आगजनी, गैस रिसाव, बाढ़, भूकंप, सड़क दुर्घटना, महामारी सहित विभिन्न आपात परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई अस्पताल अधीक्षक डॉ. नागेन्द्र सिंह ने कहा कि आपदा कभी भी बिना पूर्व सूचना के सामने



आ सकती है ऐसी स्थिति में चिकित्सा संस्थानों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है उन्होंने कर्मचारियों से प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई तकनीकों को आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी ढंग से लागू करने का आह्वान किया।
पनर एक्सटिंग्विशर चलाने का कठया अभ्यास: अस्पताल प्रबंधक डॉ. साबिर खान ने अंतरिक



और बाहरी आपदा प्रबंधन की कार्ययोजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी उन्होंने बताया कि आग, भूकंप या बाढ़ जैसी परिस्थितियों में शुरुआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षित निक्सा, मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर बाहर निकालने, आपातकालीन समन्वय

अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल कर्मचारी, प्रशासनिक अधिकारी और अन्य कर्मचारी सभी की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होती है आपात स्थिति में आपसी तालमेल और स्पष्ट जिम्मेदारियां नुकसान को कम करने में मदद करती हैं।

चिकित्सक और कर्मचारियों ने लिया प्रशिक्षण: प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभारी डीन डॉ. राजेश खन्ना, पनर सेप्टी प्रभारी डॉ. अवतार, डॉ. राजेश ठेभुनिकर, बायोमेडिकल इंजीनियर अभिषेक सोनी और सहायक प्रबंधक कमल कुशवाहा सहित विभिन्न विभागों के एचओडी मौजूद रहे चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल कर्मचारियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी प्रशिक्षण में सहभागिता की कार्यक्रम में अस्पताल की आपदा तैयारी, सुरक्षित निक्सा और मरीजों की सुझा को लेकर व्यावहारिक जानकारी दी गई।



त्यौंथर। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शुक्रवार को गणेश उत्सव का समापन हुआ त्यौंथर क्षेत्र के मीर बहरी घाट और चिल्ला के टमस नदी घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान गणेश की प्रतिमाएं लेकर पहुंचे देर शाम तक प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला चलता रहा इस दौरान घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर अव्यवस्था भी देखने को मिली चिल्ला बाजार स्थित टमस नदी

प्रकाश व्यवस्था की भी रही कमी: देर शाम तक विसर्जन जारी रहने के बावजूद घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने की बात सामने आई अंधेरा बढ़ने के साथ श्रद्धालुओं को आवाजही और प्रतिमा विसर्जन में परेशानी हुई स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि अनेक चतुर्दशी को लेकर पहले से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना थी इसके बावजूद नगर परिषद और प्रशासन की ओर से घाटों पर पर्याप्त तैयारियां नहीं की

गई अव्यवस्थाओं को लेकर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली लोगों ने घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और पहुंच मार्ग की बेहतर व्यवस्था की मांग की वहीं, सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए घाटों पर एसडीआरएफ की टीम मौजूद रही। टीमों ने नदी में प्रतिमा विसर्जन के दौरान सुरक्षा पर नजर रखी और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रही। गणेश उत्सव के समापन पर जहां क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा, वहीं घाटों पर व्यवस्थाओं की कमी को लेकर लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी भी दिखाई दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी को देखते हुए नगर परिषद और प्रशासन को पहले से आवश्यक तैयारियां पूरी करनी चाहिए थीं।

सुरक्षित और सतत खनन पर वैश्विक मंथन, 59 से अधिक कंपनियों ने साझा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। ओडिशा के जोड़ू में सुविष्ट एवं सतत खनन प्रौद्योगिकी पर आयोजित पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल समापन हुआ टाट स्टील के जोड़ू परिसर में 19 और 20 सितंबर को आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के खनन विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, उद्योग प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों ने खनन क्षेत्र की बदलती तकनीक, सुझा और भविष्य की चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया सम्मेलन में एकेएस. विश्वविद्यालय सतना, माईनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमईआई) और उत्कल विश्वविद्यालय ज्ञान सहयोगी के रूप में सहभागी रहे उद्घाटन सत्र में एकेएस. विश्वविद्यालय के प्रो. चंसेलर इंजीनियर अनंत कुमार सोनी, टाट स्टील



ओएमक्यू डिवीजन के महाप्रबंधक देवाशीष जेना, सोना देवी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. पी.के. दास, आईडीएम भुवनेश्वर के क्षेत्रीय खान निर्यक्त अरुण कुमार सहित देश-विदेश के विशेषज्ञ मौजूद रहे सम्मेलन की अध्यक्षता आईआईटी बॉम्बे के प्रो. टी.एन. सिंह ने की।

एआई और डिजिटल तकनीक पर जोर सम्मेलन में स्वचालन, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधुनिक खनन प्रणालियों, सुझा और पर्यावरण प्रबंधन जैसे विषयों पर

विशेषज्ञों ने विचार खेले टाट स्टील के ओएमक्यू डिवीजन में अपनाई जा रही आधुनिक खनन प्रक्रियाओं और कंयूर आधारित प्रणालियों में एआई के उपयोग को भी प्रस्तुत किया गया कार्यक्रम में 59 से अधिक खनन कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ आईआईटी बॉम्बे के प्रो. टी.एन. सिंह ने की।
एआई और डिजिटल तकनीक पर जोर सम्मेलन में स्वचालन, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधुनिक खनन प्रणालियों, सुझा और पर्यावरण प्रबंधन जैसे विषयों पर

विशेषज्ञों ने विचार खेले टाट स्टील के ओएमक्यू डिवीजन में अपनाई जा रही आधुनिक खनन प्रक्रियाओं और कंयूर आधारित प्रणालियों में एआई के उपयोग को भी प्रस्तुत किया गया कार्यक्रम में 59 से अधिक खनन कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ आईआईटी बॉम्बे के प्रो. टी.एन. सिंह ने की।
एआई और डिजिटल तकनीक पर जोर सम्मेलन में स्वचालन, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधुनिक खनन प्रणालियों, सुझा और पर्यावरण प्रबंधन जैसे विषयों पर



मिशन के तहत जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश पर स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया था शिविर में मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं अलग-अलग बीमारियों से पीड़ित

पंजीयन, जांच और परामर्श के दौरान भीड़ की स्थिति बनी रही। बारिश के कारण भी लोगों को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में परेशानी हुई इसके बावजूद मरीज इलाज के लिए पहुंचे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उपलब्ध संसाधनों के अनुसार व्यवस्थाएं संभालते हुए मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं देने का प्रयास किया विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने शिविर का निरीक्षण किया और मरीजों को उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने की अपील की उन्होंने कहा कि लगातार बारिश के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की टीम मरीजों के उपचार में जुटी रही इसी दौरान विधायक ने क्षेत्र में बने बने वाले 10 आंगनवाड़ी केंद्रों का भूमिपूजन भी किया

जिला पंचायत सीईओ सोम्या आनंद ने कहा कि उन्हें जिले में कार्यभार संभाले करीब 25 दिन हुए हैं समीक्षा के दौरान कुसमी की रैंकिंग काफी कम पाई गई है उन्होंने आने वाले समय में स्वास्थ्य सहित अन्य व्यवस्थाओं में सुधार के लिए काम करने की बात कही एसडीएम सागर दिलीप जैन ने माना कि बारिश और अपेक्षा से अधिक भीड़ के कारण कुछ मरीज स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा लाभ नहीं ले पाए उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की जरूरत को देखते हुए करीब छह महीने के भीतर दोबारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा ताकि शेष मरीजों को भी जांच उपचार और विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा मिल सके।

आज भाजपा जिला कार्यालय में विधायक लगाएंगे जनसमस्या समाधान दरबार



मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देशानुसार मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय में जनसमस्या समाधान दरबार लगाएंगे विधायक सुबह 11 बजे से कार्यालय में मौजूद रहेंगे इस दौरान भाजपा के कार्यकर्ता उनसे सीधे मुलाकात कर अपनी समस्याओं, सुझावों और क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों को उनके समक्ष रख सकेंगे जनसमस्या समाधान दरबार में कार्यकर्ताओं द्वारा बताई गई समस्याओं को विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी गंभीरता से सुनेंगे और उनके निराकरण के लिए संबंधित विभागों एवं अधिकारियों से आवश्यक पहल करेंगे इसके साथ ही क्षेत्रीय विकास से जुड़े विषयों और कार्यकर्ताओं के सुझावों पर भी चर्चा की जाएगी पार्टी की ओर से भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील की गई है कि वे शुक्रवार सुबह 11 बजे भाजपा जिला कार्यालय मैहर पहुंचकर विधायक से मुलाकात करें और अपनी समस्याओं एवं क्षेत्र से जुड़े मुद्दों से उन्हें अवगत कराएं पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार इस पहल का उद्देश्य कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधि के बीच सीधे संवाद को बढ़ावा देना तथा स्थानीय स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पहल सुनिश्चित करना है जनसमस्या समाधान दरबार में कार्यकर्ताओं की समस्याओं के साथ क्षेत्र की प्राथमिक आवश्यकताओं पर भी चर्चा होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कुसमी मॉडल स्कूल का निरीक्षण, विद्यार्थियों के साथ बैठकर किया मध्याह्न भोजन

बच्चों के बीच पहुंची जिला पंचायत सीईओ, सवाल पूछकर परखी पढ़ाई की समझ



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को विकासखंड कुसमी में जिला स्तरीय शिविर आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत जिले के अधिकारियों ने कुसमी क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को वास्तविक स्थिति का ज्ञान लिया इसी क्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी सोम्या आनंद ने मॉडल स्कूल कुसमी पहुंचकर विद्यालय की शैक्षणिक एवं व्यवस्थागत गतिविधियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने सबसे पहले विद्यालय में संचालित मध्याह्न भोजन

व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और विद्यार्थियों को भोजन वितरण की व्यवस्था की जानकारी ली उन्होंने संबंधित कर्मचारियों से भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने तथा स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्यालय निरीक्षण के दौरान सोम्या आनंद विभिन्न कक्षाओं में पहुंचीं और विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया उन्होंने बच्चों से उनके विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे और बातचीत के माध्यम से उनकी शैक्षणिक समझ को परखा विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक प्रश्नों के उत्तर दिए और अपनी पढ़ाई से संबंधित

जानकारी साझा की। बच्चों की सक्रिय सहभागिता और विषयों की समझ पर सीईओ ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि नियमित अध्ययन और जिज्ञासा विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को मजबूत बनाती है। बच्चों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने के लिए लगातार प्रयास करते रहना चाहिए।

विद्यार्थियों के साथ बैठकर किया भोजन: निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने विद्यार्थियों को जिला बैटकर मध्याह्न भोजन किया उनके साथ

बैटकर भोजन करने से विद्यार्थियों में भी उत्साह दिखाई दिया उन्होंने भोजन की गुणवत्ता और स्वाद के संबंध में बच्चों से जानकारी ली तथा यह भी जाना कि उन्हें मध्याह्न भोजन नियमित रूप से मिल रहा है या नहीं सोम्या आनंद ने विद्यालय प्रबंधन को शासन के निर्देशों के अनुरूप विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए उन्होंने विद्यालय में बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही अन्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सरकारात्मक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।

संपादकीय मतदाता सूची सुधार पर सियासत

जैसा कि अपेक्षित था, नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी फिर से मुख्य चुनाव आयुक्त यानी सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मैदान में आ गए और विपक्षी दलों ने उनके विरुद्ध सड़कों पर उतरकर धरना-प्रदर्शन करने की योजना भी बना ली। यह हंगामा पहली बार नहीं हो रहा है। यह पहले भी संसद से लेकर सड़क तक हो चुका है और चुनाव आयोग की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया के खिलाफ बार-बार सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया जा चुका है। अब मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस आधार पर नए सिरे से मोर्चा खोला जा रहा है, क्योंकि बोते दिनों यह बात सामने आई कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने बीते 10 महीनों में कम से कम 14 बार बिभिन्न मुद्दों पर उनसे अपनी असहमति जताई।

चुनाव आयुक्तों के बीच असहमति होना कोई नई-अनोखी बात नहीं। हर संस्था में ऐसा होता है और शीर्ष पदों पर बैठे लोगों के बीच मतभेद होते हैं। इन मतभेदों के बावजूद संस्थाएं किसी निणय पर पहुंचती हैं। यही चुनाव आयोग में हुआ। चुनाव आयोग के अनुसार उसकी ओर से एसआईआर को लेकर जो भी फैसले लिए गए, वे सब सहमति से लिए गए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो दोनों चुनाव आयुक्तों को आगे आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। इस प्रश्न का भी उत्तर मिलना चाहिए कि यदि दोनों चुनाव आयुक्त जिन मुद्दों पर मुख्य चुनाव आयोग के फैसले से असहमत थे, उनके खिलाफ उन्होंने एकजुट होकर वोट क्यों नहीं किया? ध्यान रहे कि चुनाव आयोग में फैसले या तो सर्वसम्मति से होते हैं या फिर बहुमत से।

यदि वो चुनाव आयुक्त किसी मुद्दे पर एकमत हों तो फिर फैसला वही होगा, जो वे चाहेंगे, न कि वह, जो मुख्य चुनाव आयुक्त चाहेंगे। स्पष्ट है कि इस तरह के आरोपों में कोई वजन नहीं दिखता कि मुख्य चुनाव आयुक्त मनमानी कर रहे हैं। वोट चोरी का जुमला उछलना जितना आसान है, उसे साबित करना उतना ही कठिन। शायद यही कारण है कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेता मुख्य चुनाव आयुक्त की कथित मनमानी के खिलाफ कोई प्रमाण लेकर अदालत नहीं जा पा रहे हैं।

इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि एसआईआर के खिलाफ विपक्षी दलों ने जो भी आपत्तियां सुप्रीम कोर्ट के समक्ष रखीं, वे सब खारिज हो गईं। सुप्रीम कोर्ट ने न केवल एसआईआर को आवश्यक माना, बल्कि चुनाव आयोग के फार्म 6 में जोड़े गए एक अतिरिक्त घोषणापत्र को वैध भी करार दिया। ऐसा इसलिए किया गया ताकि वास्तविक मतदाताओं की पहचान हो सके। यह विचित्र है कि विपक्षी दल एक ओर मतदाता सूचियों में गलतियों की शिकायत करते हैं और दूसरी ओर उन्हें दुरुस्त करने वाली एसआईआर प्रक्रिया का विरोध भी करते हैं। क्या इसलिए कि एसआईआर प्रक्रिया घुसपैठियों को चिह्नित करने में भी सहायक बन रही है?

आज का इतिहास
1810 - रिकिव्सडाग द्वारा उत्तराधिकार का एक नया अधिनियम अपनाया गया और जीन बैपटिस्ट बर्नाडेट स्वीडिश सिंहासन के उत्तराधिकारी बन गए थे.
1905 - अल्बर्ट आइंस्टीन ने सापेक्षता के विशेष सिद्धांत पर अपना पहला पेपर प्रकाशित किया था.
1907 - न्यूजीलैंड और न्यूफाउंडलैंड प्रत्येक ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर प्रभुत्व बन गया था.
1910 - भारतीय पत्रकार स्वादेशभिनी रामकृष्ण पिल्लई को त्रावणकोर सरकार की आलोचना प्रकाशित करने के बाद गिरफ्तार किया गया और निर्वासित किया गया था.
1914 - संयुक्त राज्य संघीय व्यापार आयोग (एफटीसी) संघीय व्यापार आयोग अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया था.
1917 - प्रथम विश्व युद्ध: बहुभुज लकड़ी की लड़ाई शुरू हुई थी.
1923 - बेयन में गुस्ताव रीटर वॉन कारा ने बर्लिन से स्वतंत्रता की घोषणा की थी.
1934 - स्टीम शिप आरएमएस क्वीन मैरी को लॉन्च किया गया था.
1941 - सैन्य पुलिस कोर संयुक्त राज्य की सेना की स्थायी शाखा के रूप में बनाई गयी थी.
1944 - द्वितीय विश्व युद्ध: गोथिक लाइन के केंद्रीय मोर्चे पर ब्राजील के सैनिक 10 दिनों के युद्ध के बाद संचियो घाटी क्षेत्र को नियंत्रित करते थे.
1954 - जापानी रेल नौका टोया मारू त्सुगारू स्ट्रेट, जापान में एक तूफान के दौरान डूब गयी जिसमें 1,172 की मौत हो गई थी.
1959 - रिकॉर्ड इतिहास में जापान को मारे वाला सबसे मजबूत तूफान टायफून वेरा से 4,580 लोगों की हत्या हुई और लगभग 1.6 मिलियन अन्य बेघर हो गए थे.
1960 - शिकागो में, पहली टेलीविजन वाली बहस राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रिचर्ड एम। निक्सन और जॉन एफ केनेडी के बीच हुई थी.
1969 - द वोल्ट्स द्वारा आखिरी दर्ज एल्बम एबी रोड गयी किया गया था.
1973 - कॉनकोर्ड रिकॉर्ड-ब्रेकिंग समय में अटलांटिक का पहला गैर-स्टॉप क्रॉसिंग बना था.
1977 - पहला रिक्टर चेस्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र पुरा हो गया है और बिजली संचयन आधिकारिक उपयोग के लिए खुला था.
1980 - म्युनिख में ओकलावफ़ेस्ट आतंकवादी हमले में 13 लोग मारे गए और 211 घायल हो गए थे.
1981 - बेसबॉल: नोएन स्प्रान ने अपना पांचवां नो-हिटर फेंककर एक मेजर लीग रिकॉर्ड सेट किया था.।

रजत में चमका मीराबाई का सपना

मंच पर वजन उठाते हुए मीराबाई वानू के सामने केवल लोहे की छड़ नहीं थी। उस पर वर्षों की मेहनत, चोटों से लौटने का संघर्ष और एक ऐसा सपना रखा था, जो उनके शानदार करियर के बावजूद अधूरा था। बुधवार को एशियाई खेलों में महिलाओं की 49 किलोग्राम भारवर्ग की स्पर्धा में जब उन्होंने कुल 198 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक जीता, तो उनके ख़ाते में एक और पदक जुड़ा। लेकिन इस पदक का अर्थ पदक तालिका की एक पंक्ति से कहीं बड़ा है।

कुमार कृष्ण

मीराबाई ने स्नैच में 87 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 111 किलोग्राम वजन उठाया। यह आंकड़ा उनकी उपलब्धि का सबसे सीधा परिचय है। मगर खेल की असली कहानी अक्सर आंकड़ों के बाहर लिखी जाती है। वह उन घंटों में लिखी जाती है, जब खिलाड़ी अकेले अभ्यास करता है; उन दिनों में जब चोट के कारण मैदान से बाहर रहना पड़ता है; और उन रातों में जब पिछली असफलता अगले प्रयास पर भारी पड़ती है। मीराबाई के लिए एशियाई खेलों का पदक ऐसा ही एक अधूरा अध्याय था। 2014 के एशियाई खेलों में वह नौवें स्थान पर रही थीं। 2018 में चोट ने उन्हें

प्रतियोगिता से दूर कर दिया। 2023 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में वह चौथे स्थान पर रहीं। वहां जांच की चोट ने उनके क्लीन एंड जर्क को भी प्रभावित किया। एक खिलाड़ी के लिए चौथा स्थान कभी-कभी सबसे कठिन स्थान होता है-पदक सामने दिखाई देता है, लेकिन हाथ नहीं आता। इस बार वह दूरी खत्म हुई। पदक जीतने के बाद मीराबाई ने कहा कि आखिरकार उन्होंने वह पदक जीत लिया, जिसका उन्हें कई वर्षों से इंतजार था। उन्होंने बताया कि जब से उन्होंने भारोत्तोलन शुरू किया था, तब से एशियाई खेलों का पदक उनका सपना था। आज सपना पूरा हुआ और उन्हें खुद पर गर्व है। इन शब्दों को सुनते हुए शायद यह

समझना जरूरी है कि बड़े खिलाड़ी के लिए भी हर उपलब्धि एक जैसी नहीं होती। ओलंपिक रजत पदक उनके पास है। विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण उनके नाम है। राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने कई स्वर्ण जीते हैं। फिर भी एशियाई खेलों का पदक उनके लिए जरूरी था। क्योंकि खेल में उपलब्धियों की सूची जितनी लंबी होती जाती है, अधूरे हिस्से उतने ही स्पष्ट दिखाई देते हैं। यही खेल का विरोधाभास है। बाहर से देखने वाले के लिए खिलाड़ी पदकों का नाम बन जाता है। खिलाड़ी के भीतर मगर हर पदक के पीछे एक अलग कहानी होती है।मीराबाई की कहानी में सफलता जितनी महत्वपूर्ण है, वापसी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। चोट से लौटना केवल शरीर को ठीक

करना नहीं है। यह अपने ऊपर भरोसा फिर से खड़ा करना है। जब कोई खिलाड़ी एक बार असफल होता है तो अगली प्रतियोगिता में केवल प्रतिद्वंद्वी से मुकाबला नहीं करता, अपने पिछले परिणाम की स्मृति से भी लड़ता है। मीराबाई ने इस स्मृति को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। उनका रजत भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भारोत्तोलन में एशियाई खेलों का पिछला पदक 1998 के बैंकॉक खेलों में कर्णम मल्लेश्वरी ने जीता था। करीब तीन दशक के इस अंतराल के बाद भारतीय भारोत्तोलन को फिर एशियाई खेलों के मंच पर पदक मिला है। मीराबाई के रजत ने उस लंबे इंतजार को भी समाप्त किया। लेकिन यहां से एक दूसरा

सवाल उठता है। क्या किसी एक खिलाड़ी की असाधारण क्षमता और इच्छाशक्ति को ही हमारी खेल व्यवस्था की सफलता मान लिया जाए? पदक जीतने के बाद जश्न स्वाभाविक है। खिलाड़ी का सम्मान भी होना चाहिए। लेकिन पदक की चमक के पीछे जो व्यवस्था है, उस पर बात करना भी उतना ही जरूरी है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता, खेल प्रशिक्षण, पोषण, चोट से बचाव, पुनर्वास, प्रशिक्षकों की उपलब्धता और प्रतिभा की पहचान-ये वे चीजें हैं जो किसी खिलाड़ी की सफलता के पीछे चुपचाप काम करती हैं। हम अक्सर अंतिम क्षण देखते हैं। खिलाड़ी ने कितना वजन उठाया, किसे हराया, कौन-सा पदक जीता-इनका हिसाब आसानी से लगाया जा सकता है।
--

नशामुक्ति का संकल्प लेकर बोले एनएसएस स्वयंसेवक, राष्ट्र निर्माण में निभाएंगे जिम्मेदारी			
रीवा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस (शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय), रीवा के स्वामी विवेकानंद सभागार में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का 57वां स्थापना दिवस उत्साह और राष्ट्रीय भावना के साथ मनाया गया कार्यक्रम में एनएसएस के गौरवशाली इतिहास, सामाजिक दायित्व और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर चर्चा की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. तिवारी ने की। कार्यक्रम की केंद्रीय थीम नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत रही इस अवसर पर महाविद्यालय के करीब 200 एनएसएस स्वयंसेवकों ने नशामुक्ति का सामूहिक संकल्प		को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं के अनुशासन, संवेदनशीलता, चरित्र और सामाजिक उत्तरदायित्व की महत्वपूर्ण भूमिका होगी उन्होंने स्वयंसेवकों से समाजहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता बढ़ाने और सेवा भावना को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। स्वास्थ्य और स्वच्छता पर दिया मार्गदर्शन: कार्यक्रम के बौद्धिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता सत्र में सहायक प्राध्यापक बॉटनी डॉ. नीरज ने कुपोषण से बचाव और संतुलित आहार के महत्व पर जानकारी दी उन्होंने विद्यार्थियों को जंक फूड से दूरी बनाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी सहायक	प्राध्यापक जूलांजी डॉ. जितेन्द्र त्रिपाठी ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर मार्गदर्शन दिया उन्होंने व्यक्तिगत स्वच्छता को दैनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाने और स्वच्छ आदतों को अपनाने पर जोर दिया। युवा संसद में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले रचित मिश्रा सम्मानित: कार्यक्रम में एनएसएस के उत्कृष्ट स्वयंसेवक रचित मिश्रा को सम्मानित किया गया हाल ही में आयोजित विकसित भारत युवा संसद 2026 में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने पर उन्हें प्राचार्य एवं कार्यक्रम अधिकारियों ने प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान किया उनके सम्मान को अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी बताया गया। 200 से अधिक स्वयंसेवकों ने निभाई सक्रिय भूमिका: कार्यक्रम का आयोजन एनएसएस माहिला इकाई की कार्यक्रम अधिकारी १ प्रियंका जायसवाल और पुरुष इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सत्यप्रकाश वर्मा के निर्देशन में किया गया 200 से अधिक स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम में अनुशासित तरीके से सहभागिता की कार्यक्रम के समापन पर स्वच्छता, स्वास्थ्य और नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया वक्ताओं ने कहा कि एनएसएस युवाओं ने नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच है स्वयंसेवकों ने समाज और राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया।

पितृपक्ष : श्रद्धा, तर्पण और पितृऋण से जुड़ी सनातन परंपरा

भारतीय सनातन परंपरा में पितरों का विशेष स्थान माना गया है और पितृपक्ष पूर्वजों के स्मरण, उनके प्रति कृतज्ञता और पितृऋण से उऋण होने की भावना का विशेष काल माना गया है। इस दौरान लोग अपने दिवंगत परिजनों के निमित श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। ब्राह्मण भोजन, दक्षिणा तथा जीव-जंतुओं को अन्न देने की भी परंपरा है। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धा और विधि-विधान के साथ किया गया श्राद्ध पितरों की तृप्ति और उनके आशीर्वाद का माध्यम बनता है।

उदय कुमार सिंह

शास्त्रीय परंपरा में कहा गया है ‘ श्रद्धया इदं श्राद्धम् ’, अर्थात श्रद्धा से पितरों के निमित किया गया कर्म ही श्राद्ध है। पितृपक्ष का मूल भाव इसी श्रद्धा में निहित है। यह केवल कर्मकांड का समय नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, पूर्वजों और पारिवारिक संस्कारों को स्मरण करने का अवसर भी है।
पितृपक्ष में क्यों किया जाता है श्राद्ध?हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष में पितरों का विशेष स्मरण किया जाता है। इस अवधि में पूर्वजों के निमित्त जल अर्पित करने, तिलांजलि देने और पिंडदान करने की परंपरा है। मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक किए गए इन कर्मों से पितरों को तृप्ति और शांति मिलती है तथा परिवार को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है।
शास्त्रों में पितरों के लिए श्रद्धा और उचित विधि से कर्म करने पर विशेष जोर दिया गया है। इसी भाव को इस उक्ति में व्यक्त किया गया है ‘पितरो वाक्यमिच्छन्ति भावमिच्छन्ति देवताः’ अर्थात देवताओं के लिए भाव और पितरों के लिए श्रद्धापूर्वक किया गया कर्म महत्वपूर्ण माना गया है। पितृपक्ष में अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसार, श्राद्ध करना प्रमुख परंपरा है। यदि किसी श्राद्ध की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं हो तो सर्वपितृ अमावस्या को उनके निमित्त श्राद्ध किया जा सकता है।
पितृदोष की धार्मिक मान्यतापितृदोष शब्द का संबंध पितरों या पूर्वजों से माना जाता है। धार्मिक और ज्योतिषीय परंपराओं में इसकी अलग-अलग व्याख्याएं मिलती हैं। एक मान्यता के अनुसार, जिन पूर्वजों के निमित्त उचित धार्मिक कर्म नहीं हो पाते अथवा जिनकी आत्मिक शांति से संबंधित कर्म अधूरे रह जाते हैं, उनसे जुड़ी स्थिति को पितृदोष के रूप में देखा जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं में पितृदोष को परिवार में आने वाली कुछ परिस्थानियों से जोड़ा जाता है। इनमें पारिवारिक मतभेद, आर्थिक अस्थिरता, कार्यों में बाधा, संतान संबंधी चिंता और जीवन में बार-बार आने वाली कठिनाइयों का उल्लेख मिलता है। हालांकि ये धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताएं हैं, इन्हें वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित कारण-परिणाम संबंध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसी प्रकार कुछ ज्योतिषीय परंपराएं कालसर्प योग को भी पितृदोष से जोड़ती हैं। इस संबंध में विभिन्न ज्योतिषीय मतों में भिन्न धारणाएं हैं। आत्मा और पितृलोक की अवधारणाहिंदू दर्शन में आत्मा को नश्वर शरीर से अलग माना गया है। भगवद्गीता में शरीर परिवर्तन की तुलना पुराने वस्त्र त्यागकर नए



वस्त्र धारण करने से की गई है। इसी दार्शनिक है। मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक किए गए इन कर्मों से पितरों को तृप्ति और शांति मिलती है तथा परिवार को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। शास्त्रों में पितरों के लिए श्रद्धा और उचित विधि से कर्म करने पर विशेष जोर दिया गया है। इसी भाव को इस उक्ति में व्यक्त किया गया है ‘पितरो वाक्यमिच्छन्ति भावमिच्छन्ति देवताः’ अर्थात देवताओं के लिए भाव और पितरों के लिए श्रद्धापूर्वक किया गया कर्म महत्वपूर्ण माना गया है। पितृपक्ष में अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसार, श्राद्ध करना प्रमुख परंपरा है। यदि किसी श्राद्ध की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं हो तो सर्वपितृ अमावस्या को उनके निमित्त श्राद्ध किया जा सकता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, मनुष्य का स्थूल शरीर नष्ट होने के बाद सूक्ष्म अस्तित्व बना रहता है। श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान को उस सूक्ष्म अस्तित्व की तृप्ति तथा उसके कल्याण से जोड़ा गया है। श्राद्ध के कितने प्रकार?विभिन्न धर्मग्रंथों में श्राद्ध के अलग-अलग प्रकार बताए गए हैं। मत्स्य पुराण में नित्य, नैमित्तिक और काय्य श्राद्ध का उल्लेख मिलता है, जबकि यमस्मृति में वृद्धि और पार्वण श्राद्ध सहित पाँच प्रकार बताए गए हैं। नित्य श्राद्ध: प्रतिदिन किए जाने वाले श्राद्ध को नित्य श्राद्ध कहा जाता है। इसमें विश्वदेव की स्थापना नहीं की जाती और केवल जल से भी यह कर्म संपन्न करने का विधान बताया गया है। नैमित्तिक या एकोद्दिष्ट श्राद्ध: किसी विशेष व्यक्ति को निमित्त बनाकर किया जाने वाला श्राद्ध नैमित्तिक कहलाता है। इसे मृत्यु के बाद दशाह, एकादशाह आदि कर्म इसी श्रेणी में रखे जाते हैं। काय्य श्राद्ध: किसी विशेष कामना की पूर्ति के उद्देश्य से किया जाने वाला श्राद्ध काय्य श्राद्ध कहलाता है। वृद्धि श्राद्ध: पुत्र जन्म, विवाह, गृहप्रवेश जैसे मांगलिक अवसरों पर पितरों को प्रसन्नता के लिए किया जाने वाला श्राद्ध वृद्धि श्राद्ध कहलाता है। इसे नान्दी या नान्दीमुख श्राद्ध भी कहा जाता है।

पार्वण श्राद्ध: किसी पर्व, अमावस्या या पितृपक्ष जैसी विशेष तिथि पर किया जाने वाला श्राद्ध पार्वण श्राद्ध कहलाता है। इसमें विश्वदेव की स्थापना का भी विधान बताया गया है।

इसके अलावा सपिण्डन, गोष्ठी, शुद्धयर्थ, कर्मांग, यात्रार्थ और पुष्ट्यर्थ श्राद्ध का भी उल्लेख मिलता है। सपिण्डन में प्रेत पिंड का पितृ पिंडों के साथ सम्मेलन कराया जाता है। समूह में किए जाने वाले श्राद्ध को गोष्ठी श्राद्ध कहा जाता है। धर्मसिंधु में श्राद्ध के 96 अवसरों का उल्लेख मिलता है। इनमें अमावस्या, सक्रांति, मन्वादि और अन्य विशेष तिथियों तथा योगों के साथ पितृपक्ष, अष्टका, अन्वष्टका आदि को शामिल किया गया है। पुराणोक्त श्राद्ध कर्मपुराणों और विभिन्न धार्मिक परंपराओं में एकोद्दिष्ट श्राद्ध, पार्वण श्राद्ध, नागबलि, नारायणबलि, त्रिपिण्डी श्राद्ध और महालय श्राद्ध का उल्लेख मिलता है। इसके विधान संप्रदाय और कुल-परंपरा के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। इसीलिए धार्मिक आचार में कुल परंपरा के अनुसार श्राद्धकर्म करने पर विशेष जोर दिया जाता है। विशेष कर्मकांड के लिए योग्य आयुर्व या पुरोहित के मार्गदर्शन का पालन करना उचित माना जाता है। गयाजी में पिंडदान का विशेष महत्वश्राद्ध और पिंडदान की चर्चा गयाजी के बिना अधूरी मानी जाती है। बिहार का गयाजी क्षेत्र हिंदू धर्म में प्रमुख पितृतीर्थों में शामिल है। यहां विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी और बोधगया सहित अनेक स्थानों पर पिंडदान और तर्पण की परंपरा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार विष्णुपद मंदिर में भगवान विष्णु के चरणचिह्न हैं। श्रद्धालु यहां अपने पितरों के निमित्त पूजा और पिंडदान करते हैं। फल्गु नदी से भी पितृकर्म की प्राचीन परंपरा जुड़ी हुई है। मान्यता है कि भगवान राम ने माता सीता के साथ यहां अपने पिता राजा दशरथ का पिंडदान किया था। इसी पौराणिक परंपरा के कारण गयाजी में पिंडदान को विशेष महत्व प्राप्त हुआ। गयाजी के नाम से जुड़ी पौराणिक कथा भी अत्यंत प्रसिद्ध है। मान्यता है कि अमरु गयासुर के शरीर पर भगवान विष्णु का चरण पड़ा और इसी घटना से गयाजी क्षेत्र की पवित्रता जुड़ी हुई है। आज भी देश के

विभिन्न हिस्सों से लोग पितरों के निमित्त पिंडदान करने गयाजी पहुंचते हैं। मोक्ष की भूमि गयाजी में विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला 25 सितंबर से शुरू होगा। 10 अक्टूबर तक चलने वाले इस मेले में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर पितरों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करेंगे। सामान्य श्रद्धालुओं के लिए पितृपक्ष मेला 16 दिनों का होगा, जबकि त्रैपाक्षिक श्राद्ध करने वाले श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक अनुष्ठान 11 अक्टूबर तक जारी रहेगा। अलग-अलग तिथियों पर निर्धारित है पिंडदान के कर्मकांड25 सितंबर को अनन्त चतुर्दशी के दिन पुनपुन में पिंडदान और गंगापूजल तीर्थपुरोहित की पांच पूजा का विधान है। 26 सितंबर को फल्गु स्नान, श्राद्ध और पांच पूजा होगी। 27 सितंबर को ब्रह्मकुंड में जौ के चूर्ण से पिंडदान के साथ प्रेतशिला, रामशिला और रामकुंड में श्राद्ध तथा काकबली में पिंडदान किया जाएगा। 28 सितंबर को पंचतीर्थ श्राद्ध के तहत उत्तरमानस, उदीची, कामंडल, दक्षिणमानस और जिह्मालोल में कर्मकांड होगा। 29 सितंबर को सरस्वती स्नान, पंचलत दान, मातांवापी और धर्मारण्य कूप में श्राद्ध तथा बोधगया में बोधितरु दर्शन का विधान है। 30 सितंबर को ब्रह्मसरोवर और काकबली श्राद्ध के साथ आम्रसिंचन में पिंडदान किया जाएगा। 01 अक्टूबर को रुद्रपद, ब्रह्मपद और विष्णुपद में श्राद्ध होगा। इस दिन खीर और मावा के पिंड से पिंडदान तथा गयापाल तीर्थपुरोहित की पांच पूजा होगी। 2 अक्टूबर को कार्तिकपद, दक्षिणानिपद और गार्हपत्याग्निपद श्राद्ध तथा 3 अक्टूबर को सूर्यपद, चंद्रपद, गणेशपद, संध्याग्निपद, आवसंध्यानिपद और दधीचीपद में श्राद्ध किया जाएगा। 04 अक्टूबर को अष्टमी और नवमी के अवसर पर कव्वपद, मातांगपद, क्रौंचपद, अगस्त्यपद, इन्द्रपद, कश्यपपद और गजकर्णपद में श्राद्ध होगा। सीताकुंड में बालू से पिंडदान, रामगया श्राद्ध, दूध तर्पण और अन्नदान का भी विधान है। 05 अक्टूबर को गयासिर और गयाकूप में त्रिपिंडी श्राद्ध किया जाएगा, जिसे पितृदोष और प्रेतदोष निवारण से जुड़ा कर्मकांड माना जाता है। 6 अक्टूबर को मुण्डपुष्प, आदि गताय और धौतपद में श्राद्ध होगा। 7 अक्टूबर को भीमगया, गौप्रचार और दगलोल श्राद्ध, जबकि 8 अक्टूबर को भगवान विष्णु का पंचमात स्नान-पूजन और फल्गु में दुग्ध तर्पण किया जाएगा। 09 अक्टूबर को वैतरणी सरोवर पर गोदान और तर्पण तथा 10 अक्टूबर को अमावस्या के दिन अश्वयुक्त में श्राद्ध करने में पिंडदान, सुफल और पितृ विसर्जन का विधान है।

आज का राशिफल
मेष - पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। पुराने मित्र मिलेंगे। शुभांक-4-6-7 वृष - अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रयत्न में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चन और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7 मिथुन - आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-4-6 कर्क - उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेहनत-मिलता से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-1-3-5 सिंह - यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-8 कन्या - घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक स्थितिता पैदा होगी। व्यापारिक या अक्सर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8 तुला - संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अंतरंगता का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-5-7-9 वृश्चिक - अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7 धनु - कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-1-4-8 मकर - आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-3-5-7 कुंभ - बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। लाभ-महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगा। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-1-4-6 मीन - व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का परचाताप होगा। शुभांक-2-4-6।

नर्मदापुरम में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू कृत्रिम कुंड में क्रेन से बड़ी प्रतिमाओं को दी विदाई



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शुक्रवार से नर्मदापुरम में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया सुबह गणेश पंडालों और घरों में पूजा-अर्चना व भंडारे के बाद दोपहर 12 बजे से श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों के साथ प्रतिमाएं लेकर विसर्जन स्थलों पर पहुंचने लगे 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश को विदाई दी प्रशासन द्वारा विवेकानंद घाट, सेठानी घाट, पोस्ट ऑफिस घाट और हर्बल पार्क घाट पर कृत्रिम कुंड बनाए

गए हैं बड़ी प्रतिमाओं को क्रेन की मदद से कुंड में विसर्जित किया जा रहा है दोपहर करीब 2.30 बजे तक चार बड़ी प्रतिमाएं विसर्जन स्थल तक पहुंच चुकी थीं शाम को चल समारोह के साथ बड़ी संख्या में प्रतिमाओं के पहुंचने की संभावना है विसर्जन का सिलसिला देर रात तक जारी रहने की उम्मीद है अधिकारियों ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसपी साई कृष्णा एस. थोटा, एसपी सिटी मजिस्ट्रेट सीमा बडोले एसडीएम, डीएसपी और एसडीओपी सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न विसर्जन

स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया हर्बल पार्क घाट के रास्ते में गड्डे हर्बल पार्क घाट पहुंचने वाले मार्ग पर श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है फॉरेस्ट ऑफिस के सामने से जाने वाला रास्ता कुछ हिस्सा कच्चा और कुछ हिस्सा पक्का है पक्के हिस्से में कई जगह गड्डे हैं जबकि फॉरेस्ट ऑफिस के सामने सड़क पर भी बड़ा गड्ढा बना हुआ है स्थानीय स्तर पर इनकी मरम्मत नहीं होने से विसर्जन के लिए आने वाले लोगों को परेशानी हो रही है पांच जगह बनाए कलेक्शन सेंटर नगर पालिका ने प्रतिमाओं के व्यवस्थित संग्रहण के लिए पांच कलेक्शन सेंटर बनाए हैं आजाद चौक ग्वालटोली, एसपीएम गेट-4 रसुलिया, हरियाली चौक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, काली मंदिर सतरस्ता और चक्कर रोड मालाखेड़ी में ठोंमें तैनात की गई हैं वहीं विसर्जन स्थलों पर पूजन सामग्री के लिए अलग काउंटर बनाए गए हैं ताकि पूजन सामग्री को नर्मदा नदी में प्रवाहित करने के बजाय अलग एकत्र किया जा सके।

गांवों में विकास की नई रफ्तार: 40.47 करोड़ से जल संरक्षण, स्वच्छता और आजीविका के 1,110 कार्य स्वीकृत



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, जल संरक्षण, स्वच्छता और आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ी पहल की गई है जिला पंचायत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर अंतर्गत वीबी जी राम जी योजना के तहत जिले के तीनों विकासखंडों में कुल 1,110 ग्रामीण विकास कार्यों के लिए 40 करोड़ 47 लाख रुपये की

स्वीकृति दी गई है स्वीकृत कार्यों के पूरा होने से गांवों में आवश्यक अधोसंरचना मजबूत होने के साथ जल संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को भी बढ़ावा मिलेगा जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह ने बताया कि स्वीकृत कार्यों में ग्रामीण क्षेत्रों की स्थानीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी गई है इनमें सामुदायिक मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय, सामुदायिक बालिका शौचालय, कंटूर ट्रेंच, अर्देन चेक डैम, तालाब गहरीकरण, नवीन तालाब निर्माण, नाला पुनर्स्थापन, डबरी निर्माण, नाडेप कम्पोस्ट संरचना, पशुपालन एवं पौधरोपण से जुड़े कार्य शामिल हैं मनेंद्रगढ़ में सर्वाधिक 462, भरतपुर में 424 कार्य तीनों विकासखंडों में स्वीकृत कार्यों में मनेंद्रगढ़ विकासखंड में 462 कार्यों के

लिए 15.22 करोड़ रुपये, भरतपुर में 424 कार्यों के लिए 17.51 करोड़ रुपये तथा खड़गवां में 224 कार्यों के लिए 7.89 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं इस प्रकार जिले में कुल 1,110 कार्यों के लिए 40.47 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हुई है स्वच्छता और ग्रामीण अधोसंरचना को प्राथमिकता स्वीकृत कार्यों में 160 सामुदायिक मुक्तिधाम शेड एवं प्रतीक्षालय निर्माण के लिए 9.28 करोड़ रुपये तथा 128 सामुदायिक बालिका शौचालय निर्माण के लिए 5.44 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता एवं आवश्यक सामुदायिक सुविधाओं का विस्तार होगा इसी तरह 362 कंटूर ट्रेंच एवं अर्देन चेक डैम निर्माण के लिए 9 करोड़ 5 लाख 20 हजार रुपये तथा 125

सामुदायिक रेत फिल्टर एवं बोरवेल रिचार्ज कार्यों के लिए 1 करोड़ 11 लाख 74 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं इन कार्यों से वर्षाजल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और जल उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी तालाब और जल संरक्षण पर बड़ा फोकस ग्रामीण क्षेत्रों में जलक्षोती को मजबूत करने के लिए 57 तालाब गहरीकरण कार्यों हेतु 3 करोड़ 87 लाख 56 हजार रुपये और 8 नवीन तालाब निर्माण के लिए 1 करोड़ 31 लाख 56 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं इसके अलावा 82 ब्रशबुड चेक, बोल्टर चेक एवं अन्य निम्नलिखित कार्यों के लिए 3 करोड़ 15 लाख 67 हजार रुपये तथा 28 नाला पुनर्स्थापन एवं ग्राद निकासी कार्यों के लिए 1 करोड़ 77 लाख 17 हजार रुपये स्वीकृत हुए हैं।

सेवा संकल्प अभियान: आंगनबाड़ी के नन्हे-मुन्नों के साथ स्नेह और अपनत्व की खुशियां, ग्राम मट्टा में हुआ न्योता भोज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत आज जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मट्टा के आंगनबाड़ी केंद्र में नन्हे-मुने बच्चों के साथ आत्मीयता, स्नेह और अपनत्व से भरा न्योता भोज आयोजित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह तथा विशिष्ट अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष भरतपुर मायाप्रताप सिंह सहित प्रदीप कुमार मंडल अध्यक्ष, हीरालाल यादव महामंत्री, संपन्न धर्मपाल बैंग्रा, रामराय पाण्डेय महामंत्री, कलेक्टर सुश्री संतन देवी जोगेंद्र, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, एसडीएम भरतपुर शशि शेखर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर स्वर्णिल वर्मा एवं जेहा खलखो, उपस्थित रहे।



जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित अतिथियों ने आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया और उनके साथ आत्मीय समय बिताया न्योता भोज का उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध करने के साथ उनमें अपनत्व और सामुदायिक सहभागिता की भावना को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया। जनप्रतिनिधियों और अतिथियों

नगर पालिका में प्लॉट के दस्तावेज गुम होने का आरोप, फर्जी टैक्स रसीद से नामांतरण का दावा



स्पष्ट करने की मांग की है कि नामांतरण किस आधार पर किया गया और इसके लिए कौन-कौन से दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे मूल रिकॉर्ड और टैक्स रसीद की जांच की मांग उठाई गई है शिकायतकर्ता कांग्रेस नेता आकाश दार ने आरोप लगाया कि प्लॉट का नामांतरण उनकी मां करुणा दार के नाम होना था लेकिन कथित तौर पर इसे विमला सैमुअल नाम की महिला के नाम कर दिया गया। आकाश दार के अनुसार, वह इस नाम की किसी महिला को जानते तक नहीं हैं। उन्होंने नगर पालिका में उपलब्ध दस्तावेजों की जांच कर यह

अभिलेखों की जांच की मांग की गई है शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि प्लॉट से संबंधित मूल दस्तावेज नगर पालिका रिकॉर्ड में उपलब्ध थे तो उनके गुम होने की स्थिति कैसे बनी इसकी भी जांच आवश्यक है साथ ही कथित टैक्स रसीद किसने तैयार की

और उसे नामांतरण की प्रक्रिया में किस आधार पर स्वीकार किया गया इसकी जानकारी सामने लाने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पैसों के लेन-देन के आधार पर प्लॉट का नाम दूसरे व्यक्ति के नाम किए जाने का प्रयास किया गया हालांकि इन आरोपों

की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है नगर कांग्रेस ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक दस्तावेजों और रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने की मांग की है तीन दिन में कार्रवाई नहीं तो प्रदर्शन की चेतावनी आकाश दार ने चेतावनी दी कि यदि तीन दिन के भीतर पुलिस और प्रशासन की ओर से जांच शुरू कर कार्रवाई नहीं की गई तो विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने नगर पालिका के सामने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का मुतुला जलाकर प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी है अब पुलिस जांच और नगर पालिका के मूल रिकॉर्ड की पड़ताल के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि प्लॉट के दस्तावेज कैसे गुम हुए कथित टैक्स रसीद वास्तविक है या नहीं और नामांतरण की प्रक्रिया नियमानुसार हुई अथवा नहीं मामले में संबंधित अधिकारियों और दस्तावेजों की जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविकता सामने आएगी।

जिले के युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर, रायपुर में 7 व 8 अक्टूबर को राज्य स्तरीय रोजगार मेला

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के तत्वाधान में युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 07 एवं 08 अक्टूबर 2026 को दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है रोजगार मेले का आयोजन बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बुढ़पाण, रायपुर में किया जाएगा। मेले में विभिन्न निजी क्षेत्रों में उपलब्ध लगभग 8,000 से अधिक रिक्तियों के लिए उद्योगों एवं निजी क्षेत्र के नियोजक से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि से पहले ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया पूरी कर लें पंजीकृत आवेदकों को रोजगार मेले में निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने साथ सभी आवश्यक दस्तावेज लेकर उपस्थित होना होगा आवेदक अपने शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता प्रमाण-पत्र, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र, रोजगार कार्यलय का पंजीयन प्रमाण-पत्र अथवा फादर कार्ड तथा पासपोर्ट साइज फोटो साथ लेकर आएंगे।

रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को अपनी शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता के अनुरूप निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा ऑनलाइन पंजीयन जरूरी, रोजगार मेला पूर्णतः नि:शुल्क राज्य स्तरीय रोजगार मेले में शामिल होने के लिए इच्छुक आवेदकों का ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य है आवेदक विभागीय पोर्टल eoj-gar.org.gov.in अथवा गूगल प्ले स्टोर से CG Rojgar Panjiyan App के माध्यम से अपना पंजीयन कर सकते हैं। रोजगार मेले में भाग लेने के लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा आवेदकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि से पहले ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया पूरी कर लें पंजीकृत आवेदकों को रोजगार मेले में निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने साथ सभी आवश्यक दस्तावेज लेकर उपस्थित होना होगा आवेदक अपने शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता प्रमाण-पत्र, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र, रोजगार कार्यलय का पंजीयन प्रमाण-पत्र अथवा फादर कार्ड तथा पासपोर्ट साइज फोटो साथ लेकर आएंगे।

तेज रफ्तार एंबुलेंस ने 4 भैंसों को मारी टक्कर, सभी घायल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बामौरकलां थाना क्षेत्र में पिछोर-चंदेरी रोड पर जैनपथ होटल के पास शुक्रवार तड़के तेज रफ्तार बोलेंगे एंबुलेंस ने सड़क बाई ओर गंभीर चोटें आई हैं पशुपालक के मुताबिक उन्हें अंदरूनी चोटें भी आई हैं पशु चिकित्सक से उनका परीक्षण कराया जाएगा घटना के बाद किया है पशुपालक विक्रम सिंह यादव के अनुसार गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे वह पूरन सिंह यादव और अरविंद यादव के साथ भैंसों को जंगल की ओर ले जा रहे थे इसी दौरान पिछोर की तरफ से आ रही बोलेंगे एंबुलेंस (MP04DB2660) ने

मवेशियों को टक्कर मार दी बताया गया कि एंबुलेंस मरीग को छोड़कर वापस लौट रही थी टक्कर से चारों भैंसों के शरीर के बाई ओर गंभीर चोटें आई हैं पशुपालक के मुताबिक उन्हें अंदरूनी चोटें भी आई हैं पशु चिकित्सक से उनका परीक्षण कराया जाएगा घटना के बाद किया है पशुपालक विक्रम सिंह यादव के अनुसार गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे वह पूरन सिंह यादव और अरविंद यादव के साथ भैंसों को जंगल की ओर ले जा रहे थे इसी दौरान पिछोर की तरफ से आ रही बोलेंगे एंबुलेंस (MP04DB2660) ने

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर कोलास-बदरवास में गुंजा राष्ट्रीय स्कुलों में विद्यार्थियों, शिक्षकों और नगरवासियों ने किया सामूहिक गान, राष्ट्रीय एकता का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर विद्या भारती के तत्वाधान में कोलास और बदरवास क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों में सामूहिक राष्ट्रीय गायन कार्यक्रम आयोजित किए गए विद्यार्थियों शिक्षकों अभिभावकों पूर्व छात्रों और नगरवासियों ने एक स्वर में वंदे मातरम् का सामूहिक गान कर राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया कोलास के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में बैकूट धाम परिवार के रंजेश जी महाराज गुरुजी ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं बल्कि मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और समर्पण की भावना का प्रतीक है कार्यक्रम में विधायक महेंद्र सिंह यादव, मंडल अध्यक्ष मंगल सिंह कुशवाह मंडल महामंत्री दीपक जैन, विद्यालय समिति के



व्यवस्थापक मोहन सिंह दांगी और उपाध्यक्ष पदम जैन सहित विद्यार्थी, अभिभावक, पूर्व छात्र और नगरवासी मौजूद रहे कार्यक्रम के संयोजक संजय अग्रवाल और सहसंयोजक राजकुमार गुप्ता रहे प्रधानाचार्य मनोज कर्मी ने अतिथियों और सहभागियों का आभार व्यक्त किया बदरवास के सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जन शिक्षक कुलदीप ग्वाल ने की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड कार्याह सुंदे गोस्वामी विशिष्ट अतिथि रहे मुख्य वक्ता कपिल परिहार ने वंदे

मातरम् की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और स्वतंत्रता आंदोलन में इसके महत्व पर प्रकाश डाला कार्यक्रम का संभालन प्रधानाचार्य राजीव शर्मा ने किया बीटी पब्लिक स्कूल और मांडन ब्राइट फेयरिस् स्कूल में भी सामूहिक गान आयोजित हुआ दोनों स्कूलों के करीब 500 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मानव श्रृंखला बनाकर वंदे मातरम् का गायन किया। मुख्य अतिथि कृष्ण गोपाल महाराज ने कहा कि वंदे मातरम् मातृभूमि के प्रति स्वाभिमान और राष्ट्रभावना का प्रतीक है।

ममता यादव के परिवार को मिला अपने घर का सहारा प्रधानमंत्री आवास ने बदली जीवन की तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। किसी परिवार के लिए अपना पक्का घर केवल चार दीवारों का निर्माण नहीं, बल्कि सुरक्षित भविष्य, सम्मान और सुरकृत से जुड़ सपना होता है। ग्राम चनवारीखंड निवासी ममता यादव, पति किशोर के लिए भी अपने परिवार के सुरक्षित आवास की चाह लंबे समय से थी सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण पक्का घर बनाना आसान नहीं था लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके इस सपने को पूरा करने का रास्ता आसान किया सपनों को मिली सरकारी योजना की मजबूती प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ममता यादव को आवास निर्माण के लिए 1.20 लाख रुपये की स्वीकृत राशि मिली शासन की सहायता मिलने से परिवार को अपने पक्के आशियाने के निर्माण के



लिए आवश्यक आर्थिक संबल प्राप्त हुआ योजना से मिली मदद ने ममता और उनके परिवार के लिए सुरक्षित आवास की उम्मीद को हकीकत में बदलने का अवसर दिया पक्की छत ने बढ़ाया परिवार

का भरोसा आवास की सुविधा मिलने से परिवार के जीवन में स्थायित्व आया है अब परिवार को सुरक्षित और बेहतर वातावरण में रहने का अवसर मिला है पक्के घर ने केवल रहने की सुविधा को

बेहतर नहीं किया बल्कि परिवार के मन में भविष्य को लेकर विश्वास भी मजबूत किया है ममता यादव के लिए उनका घर परिवार की खुशियों और आने वाले बेहतर कल का आधार

बन गया है ममता के लिए घर बना खुशियों की नई शुरुआत ममता यादव ने योजना से मिले लाभ के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि अपने परिवार के लिए पक्का घर होना उनके लिए बहुत बड़ी खुशी है प्रधानमंत्री आवास योजना से मिली सहायता ने उनके परिवार की महत्वपूर्ण जरूरत पूरी करने में सहयोग दिया है अब परिवार अपने सुरक्षित आशियाने के साथ जीवन को नई उम्मीद और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना जख्तरमंद परिवारों के जीवन में स्थायित्व और सुख का भाव मजबूत करते हुए उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने का अवसर दे रही है।

संक्षिप्त समाचार

पिपरिया-बनखेड़ी रोड पर दो बाइक की भिड़ंत

3 घायल-दो के सिर पर गंभीर चोट, जिला अस्पताल रेफर, कन्हवार गांव के पास हादसा



मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया-बनखेड़ी रोड पर कन्हवार गांव के पास शुक्रवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए। इनमें से दो गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

टक्कर के बाद सड़क पर गिरे तीनों युवक: टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों युवक सड़क पर गिर गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलते ही मंगलवारा थाना पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को तत्काल पिपरिया के सरकारी सिविल अस्पताल लाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

दो घायलों के सिर में गंभीर चोट: डॉक्टरों के अनुसार, दो घायलों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि तीसरे घायल को मामूली चोटें लगी हैं। गंभीर रूप से घायल आशीष वाचावानी (39) और दीनानाथ तरोनकला (38) को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया। हादसे में घायल हरमीत का इलाज पिपरिया के अस्पताल में जारी है।

खरगोन में बारिश के डर से कपास चुनाई तेज

गौसम विभाग ने 28 सितंबर तक किरा अलर्ट, मंडी में आवक 50% तक घटी



मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में मानसून के आखिरी दौर में हो रही तेज बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। फसल खराब होने के डर से किसान कपास की चुनावी जल्द से जल्द पूरी करने में जुट गए हैं। पिछले दो दिनों से भगवानपुरा और खरगोन इलाके में तेज बारिश हो रही है। इससे खेतों में तैयार मक्का, कपास और मिर्च की फसलों पर असर पड़ने की आशंका है।

बारिश के डर से कपास की आवक आधी हुई: बारिश का असर प्रदेश की सबसे बड़ी खरगोन मंडी में भी नजर आ रहा है। यहां कपास की आवक में करीब 50% तक की गिरावट आई है। अभी मंडी में 33 बैलगाड़ी और 108 वाहनों से कपास पहुंचा है। मंडी में कपास के भाव 7,300 से 8,700 रुपये प्रति क्विंटल तक रहे। किसान बारिश से पहले खेत से कपास निकालकर मंडी पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। तैयार फसल ज्यादा दिन खेत में रहने पर बारिश से नुकसान होने की चिंता बनी हुई है। मजदूरों की कमी, चुनाव का भाव बढ़ा कपास की चुनावी के लिए मजदूरों की कमी भी किसानों के सामने परेशानी बनी हुई है। बारिश से फसल खराब होने के डर के बीच किसान 7 से 8 रुपये प्रति किलो तक के भाव में चुनावी करवा रहे हैं। किसान सुरेश पटेल ने बताया कि मजदूर आसानी से नहीं मिल रहे हैं।

ट्रक ने बाइक सवार

को मारी टक्कर

मंदसौर के अस्पताल में युवक ने तोड़ टंक, दोनों पैर टूट गए थे

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के दलोदा थाना क्षेत्र में गुरुवार रात करीब 11:30 बजे एक सड़क हादसा हो गया। कचनारा चौकी के नगरी फटे पर ट्रक ने बाइक सवार 35 वर्षीय राहुल (पिता मनोहर सिंह, निवासी गोंदी शंकर, थाना रिगनोद, जिला खलाम) को टक्कर मार दी। हादसे में राहुल के दोनों पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आईं। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान रात करीब 2 बजे उसकी मौत हो गई। राहुल मंदसौर में समूह लोन से जुड़ा फाइनेंस का काम करता था। गुरुवार रात वह अपनी स्लेंडर बाइक (MP13 ZY 0668) से मंदसौर से अपने गांव लौट रहा था। कचनारा के पास नगरी फटे पर पहुंचने के दौरान ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

बुरहानपुर में एक महीने से तेंदुए की हलचल

कई बकरियों और कुत्तों को बनाया शिकार, अब खेत में छिपाकर लगाया पिंजरा, किसान-मजदूर परेशान

मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के नावरा रेंज के गोरडिया और आसपास के इलाकों में पिछले एक महीने से तेंदुए की लगातार हलचल से किसान और ग्रामीण परेशान हैं। तेंदुए के कई बार नजर आने और बकरियों व कुत्तों के शिकार की सूचना के बाद ग्रामीणों में डर बना हुआ है। दिन में भी तेंदुआ दिखाई देने के कारण किसान खेतों में जाने से बच रहे हैं, जबकि मजदूरों ने भी काम पर आने से मना कर दिया है।

दो दिन पहले मक्का के खेत में तेंदुआ दिखाई देने के बाद ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद अब वन विभाग ने उसी जगह पिंजरा लगाया है, जहां तेंदुआ बार-बार दिखाई दे रहा था।

पहले नहीं मिली थी पिंजरा लगाने की अनुमति: वन विभाग ने इससे पहले भोपाल में वरिष्ठ अधिकारियों से पिंजरा लगाने की



खंडवा में चरस तस्क़र को 10 साल जेल:पुलिस ने 18.50 लाख की चरस जब्त की थी, कोर्ट ने 1 लाख जुर्माना भी लगाया

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा रेलवे स्टेशन पर मादक पदार्थ चरस के साथ पकड़े गए आरोपी को कोर्ट ने गुरुवार को 10 साल के कारावास की सजा सुनाई। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश अनिल चौधरी की अदालत ने आरोपी सीमरूदीन शेख पिता सरफुद्दीन शेख (35) निवासी इंदौर को एनडीपीएस एक्ट के तहत दोषी मानते हुए 10 साल की सजा और एक लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया। अभियोजन की ओर से मामले की पैरवी अतिरिक्त सहायक निदेशक अभियोजन रामदास जम्परे ने की। अभियोजन के अनुसार, घटना 3 जून 2024 की दरम्यानी रात की है। थाना कोतवाली खंडवा पुलिस को सूचना मिली थी कि रेलवे स्टेशन खंडवा के प्लेटफॉर्म नंबर-6 के पीछे एक व्यक्ति काले रंग के कपड़े पहने हुए है। उसके पास कपड़े की थैली में मादक पदार्थ



है और वह ट्रेन से भागने की फिराक में है। सूचना मिलने के बाद टीआई दिलीपसिंह देवड़ा के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। टीम में एसआई चंद्रकांत सोनवने, एसएसआई जितेंद्र तिवारी, प्रधान आरक्षक लतेश तोमर, अमित यादव सहित पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस टीम ने मूर्खविर द्वारा बताए स्थान पर पहुंचकर प्लेटफॉर्म नंबर-6 की सीढ़ियों के सामने संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ लिया।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पर सामूहिक गायन

देशभक्ति और समर्पण की भावना का संदेश, छात्रों को इतिहास के महत्व बताया



मीडिया ऑडीटर, मंडीदीप (निप्र)। मंडीदीप में राष्ट्रीय 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष के अवसर पर शुक्रवार सुबह 11 बजे सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सामूहिक गायन कार्यक्रम हुआ। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के 'नमामि भारत' अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों, स्थानीय नागरिकों और समिति सदस्यों ने एक साथ वंदे मातरम् का गायन किया। देशभर में इस अभियान के तहत एक करोड़ से अधिक लोगों के सामूहिक गायन का

लक्ष्य रखा गया था। **देशभक्ति और समर्पण की भावना का संदेश:** राजाभोज महाविद्यालय के प्राचार्य एसके भदौरिया मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् देशभक्ति और समर्पण की भावना से भरा गीत है। यह लोगों के मन में जोश और उत्साह भरता है।

वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करने का प्रयास: शिशु मंदिर के प्राचार्य गौरीशंकर तिवारी ने बताया कि वाई 23 स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थी, अभिभावक, स्थानीय नागरिक और समिति सदस्यों ने हिस्सा

लिया। आयोजन को वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करने का प्रयास भी किया जाएगा। देशभर में 25 सितंबर को 25 हजार से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से ज्यादा लोगों के सामूहिक गायन की तैयारी की गई थी। **15 से 24 सितंबर तक हो रही विभिन्न गतिविधियां:** विद्यालय में 15 से 24 सितंबर तक वंदे मातरम् से जुड़ी कई गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें निबंध लेखन, चित्रकला, अभिनय, नृत्य, गोंली, वंदे मातरम् गायन प्रतियोगिता, मूर्तिकला, प्रश्नोत्तरी और वंदे मातरम् के इतिहास पर आधारित कार्यक्रम शामिल हैं। इसी कड़ी में जन-जागरण रैली भी निकाली जाएगी।

विद्यार्थियों को इतिहास से कराया परिचित: प्राचार्य गौरीशंकर तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज को वंदे मातरम् के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्रीय महत्व से परिचित कराना है।

समन्वित प्रयासों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति - कलेक्टर गुप्ता

नाबाई के उप प्रबंध निदेशक श्री गोवर्धन सिंह रावत के मुख्य आतिथ्य में विदिशा जिले में विभिन्न विकास गतिविधियों का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि किसानों, पशुपालकों, ग्रामीण उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों एवं पारंपरिक बुनकरों को वित्तीय एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के साथ उनके उत्पादों को बेहतर बाजार से जोड़ना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने नाबाई, जिला प्रशासन, बैंकों, विभिन्न विभागों तथा किसान उत्पादक संगठनों के समन्वित प्रयासों से जिले में ग्रामीण क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को और गति दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को संस्थागत ऋण की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन की पूरी श्रृंखला को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। कलेक्टर श्री गुप्ता आज निदेशक श्री गोवर्धन सिंह रावत के मुख्य आतिथ्य में आयोजित विभिन्न विकासवादी गतिविधियों के शुभारंभ एवं सामग्री वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर किसानों, पशुपालकों, ग्रामीण उद्यमियों एवं बुनकरों के लिए विभिन्न गतिविधियों का शुभारंभ किया गया तथा ऋण सहायता एवं आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में नाबाई, क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती एस. सरस्वती, महाप्रबंधक श्रीमती आंवता सुरीन एवं श्री एस.सी. साहू सहित नाबाई की जिला विकास



प्रबंधक (DDM) विदिशा श्रीमती जगप्रती कौर सावरवाल, अग्रणी जिला प्रबंधक (LDM) श्री बघेल, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री धीरज राय, मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक की क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीमती रेखा तिवारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि, किसान उत्पादक संगठन (FPO), स्वयं सहायता समूहों तथा अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एफपीओ के उत्पादों का शुभारंभ: कार्यक्रम के दौरान जन कल्याण एफपीओ द्वारा तैयार जौ के आटे तथा राम जानकी एफपीओ द्वारा तैयार शरबती गेहूं के आटे का शुभारंभ किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य किसानों के उत्पादों का मूल्य संवर्धन करते हुए उन्हें

बेहतर बाजार उपलब्ध कराना तथा कृषि आधारित ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है। गंजबासौदा एफपीओ को भारतीय स्टेट बैंक द्वारा कस्टम हार्बरिंग सेंटर की स्थापना के लिए ऋण स्वीकृत किया गया। वहीं तारावली एफपीओ को नाबाई द्वारा मोबाइल मिल्क चैन प्रदान की गई। कार्यक्रम में पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) भी वितरित किए गए।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी कैसीसी की सुविधा: कार्यक्रम में पात्र स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को पशुपालन गतिविधियों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए। इन प्रकरणों में मध्य प्रदेश

ग्रामीण बैंक द्वारा क्रेडिट लिंकेज किया गया। इस पहल में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (SRILM) एवं पशुपालन विभाग का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। इसके माध्यम से पशुपालकों को महिला हितग्राहियों को संस्थागत ऋण सुविधा से जोड़ने की दिशा में पहल की गई है।

बुनकरों को करघे एवं उत्पादन उपकरण वितरित: सिरोंज के पारंपरिक हथकरघा बुनकरों द्वारा दरी एवं रंग निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नाबाई समर्थित कार्यक्रम के अंतर्गत नीति आयोग के सहयोग से बुनकरों को करघे एवं अन्य आवश्यक उत्पादन उपकरण वितरित किए गए। साथ ही बुनकरों को डिजिटल मार्केटिंग सहायता उपलब्ध कराने की पहल की गई, जिससे उनके उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचाने के अवसर उपलब्ध हो सकें।

एसबीआई ने किसानों को 21 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया: कार्यक्रम के दौरान भारतीय स्टेट बैंक द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत किसानों को कुल 21 करोड़ रुपये का ऋण वितरण (क्रेडिट लिंकेज) किया गया। इससे कृषि एवं संबंधित गतिविधियों के लिए किसानों को संस्थागत वित्तीय सहायता प्राप्त हुई।

देवखजुरी PACS का किया निरीक्षण: सिरोंज में आयोजित कार्यक्रम के उपरांत नाबाई के उप प्रबंध निदेशक श्री गोवर्धन सिंह रावत ने देवखजुरी प्राथमिक कृषि साहकारी समिति

(PACS) का निरीक्षण किया। उन्होंने समिति द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान ग्रामीण वित्तीय समावेशन, कृषि अवसरचना को सुदृढ़ करने तथा किसानों की आय में वृद्धि के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली गई।

ग्रामीण विकास के लिए समन्वित प्रयासों पर जोर: अपने संबोधन में नाबाई के उप प्रबंध निदेशक श्री गोवर्धन सिंह रावत ने कहा कि नाबाई का उद्देश्य किसानों, पशुपालकों, ग्रामीण उद्यमियों एवं बुनकरों को वित्तीय, तकनीकी एवं विपणन सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में विकास की गतिविधियों को प्रभावी बनाने के लिए जिला प्रशासन, बैंकिंग संस्थाओं, सरकारी विभागों, एफपीओ, स्वयं सहायता समूहों और अन्य हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित संस्थाओं से समन्वित प्रयासों के माध्यम से ग्रामीण विकास को गति देने तथा किसानों एवं ग्रामीण हितग्राहियों को योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। विदिशा जिले में नाबाई की विभिन्न विकास पहलों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन, विभागों, बैंकों, किसान उत्पादक संगठनों, किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों के साथ समन्वय स्थापित करने में नाबाई की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कलेक्टर ने सिरोंज तहसील कार्यालय

का किया निरीक्षण

शासन की गाइडलाइन सूची कार्यालय के बाहर प्रदर्शित करने के लिए निर्देश

विदिशा ,एजेंसी।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज सिरोंज तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर विभिन्न कार्यालयों की व्यवस्थाओं का जांचा लिया। निरीक्षण के दौरान



उन्होंने अधिकारियों से विभागीय कार्यों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने तहसील कार्यालय पहुंचकर सर्वप्रथम उप पंजीयक कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय की व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि विभाग से संबंधित शासन की गाइडलाइन की सूची कार्यालय के बाहर प्रमुखता से प्रदर्शित की जाए, ताकि नागरिकों को आवश्यक जानकारी सहज रूप से उपलब्ध हो सके। साथ ही जिन रजिस्ट्रारों पर रोक है, उनकी सर्वे नंबर सहित सूची भी कार्यालय के बाहर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर श्री गुप्ता ने साहब रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण कर रिकॉर्ड संधारण एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान अपनी समस्याएं लेकर कार्यालय पहुंचे आवेदकों से उन्होंने संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना।

जनपद पंचायत सिरोंज का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज सिरोंज पहुंचकर जनपद पंचायत भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने जनपद पंचायत में पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों से संवाद कर विभागीय कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली तथा कार्यालयीन व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जनपद पंचायत में रखी फाइलों के गड़बड़ को व्यवस्थित कर उनकी सूची चप्पा करने तथा रिकॉर्ड रूम में सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने रिकॉर्ड संधारण पंजी को व्यवस्थित रखने तथा कार्यालय स्टाफ का नाम, कार्य एवं मोबाइल नंबर सहित विवरण संबंधित कक्ष के बाहर अंकित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवक-जावक शाखा, आवास शाखा, आधार सेवा केंद्र, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा कार्यालय, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सहित विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी फाइलों को अल्फाबेट के क्रम में व्यवस्थित तरीके से अलमारियों अथवा पेटियों में रखा जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर किसी भी कर्मचारी को फाइल खोजने में परेशानी न हो। कलेक्टर ने जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि कार्यालय में बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा बायोमेट्रिक अटेंडेंस रिपोर्ट के आधार पर ही कर्मचारियों का वेतन जारी किया जाए।

नागरिकों की समस्याओं की मौके पर सुनी शिकायतें: कलेक्टर श्री गुप्ता ने जनपद पंचायत कार्यालय में आम नागरिकों की समस्याओं से संबंधित आवेदन भी प्राप्त किए। उन्होंने मौके पर उपस्थित



जनपद सीईओ को प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने आवास योजना के लाभ प्राप्त करने में आवेदकों को आ रही परेशानियों की भी सुनवाई की। आवास योजना से संबंधित प्रकरणों में हितग्राहियों को हो रही परेशानी तथा संबंधित अधिकारी के मुख्यालय पर उपस्थित नहीं रहने की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने जनपद सीईओ के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को रिपोर्ट भेजने तथा नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

उपयंत्रियों की बैठक लेकर निर्माण कार्यों की समीक्षा: इसके उपरांत कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जनपद पंचायत कार्यालय भवन में उपयंत्रियों की बैठक लेकर निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनपद क्षेत्र में किए जाने वाले निर्माण कार्यों के लिए स्थान का चिह्नकन ग्राम सभा के माध्यम से किए जाने के बाद ही कार्य सुनिश्चित किया जाए। सभी उपयंत्रों इस व्यवस्था का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने जनपद क्षेत्र में निर्मित सामुदायिक भवनों की स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए।

ब्रीजके का ‘शतक’,

केशव ने लगाया ‘चौका’,
साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया
को 67 रन से धूल चटाई



डरबन,एजेसी। साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच को 67 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। गुरुवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने 50 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 297 रन बनाए। इस टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद मैथ्यू ब्रीजके ने कप्तान टेंबा बावुमा के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। बावुमा 48 गेंदों में 4 चौकों के साथ 30 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ब्रीजके ने रयान रिक्लेटन के साथ चौथे विकेट के लिए 42 रन और डेविड मिलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को 168 के स्कोर तक पहुंचा दिया। रिक्लेटन 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि मिलर ने टीम के खते में सिर्फ 9 रन जुटाए। इसके बाद ब्रीजके ने मार्को जानसेन के साथ छठे विकेट के लिए 81 गेंदों में 107 रन की साझेदारी की। ब्रीजके 14 चौकों और 2 छक्कों के साथ 112 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जानसेन ने 59 गेंदों में 75 रन कुटे। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। विपक्षी खेमे से नाथन एलिस ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि एडम जांपा को 2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, जोशा हेजलवुड ने 1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 41.2 ओवरों में 230 के स्कोर पर सिमट गई। कप्तान मिचेल मार्श ने टैविस हेड के साथ मिलकर मेजमानों को मजबूत शुरुआत दिलाई। इस सलामी जोड़ी ने 9.2 ओवरों में 90 रन की साझेदारी की।

मनुष-दिया की जोड़ी ने मिक्स्ट डबल्स में जीता ब्रॉन्ज मेडल, सेमीफाइनल में मिली हार

टोयोटा,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पैडलर मनुष शाह और दिया चितले ने मिक्स्ट डबल्स टेबल टेनिस इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। शुक्रवार को नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में हुए सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी को दो बार के मौजूदा चैंपियन सुन थिंगशा और वांग चुकिन से 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी क्वार्टर फाइनल में चार बार के वर्ल्ड मेडलिस्ट और वर्ल्ड नंबर 4 वांग चुन और डू हो को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची थी। हालांकि, सेमीफाइनल में वे अपने शानदार प्रदर्शन को दोहरा नहीं सके। सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी का मुकाबला ओलंपिक चैंपियन और दो बार के एशियन गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट वांग चुकिन और सुन थिंगशा से था, जिन्हें ‘शा-तोड’ के नाम से जाना जाता है। मनुष शाह और दिया चितले ने पहले गेम में अच्छी चुनौती दी, लेकिन वे 8-11 से हार गए। दूसरे गेम में चीनी जोड़ी ने पूरी तरह दबदबा बनाया और भारतीय खिलाड़ियों को 5-11 से मात दी। तीसरे गेम में भी मनुष और दिया की शुरुआत खराब रही और वे 0-5 से पीछे हो गए भारतीय जोड़ी ने तीसरे गेम में वापसी की पूरी कोशिश की और चीनी खिलाड़ियों को कड़ी टक्कर दी, लेकिन फिर भी 8-11 से हार गई। इसके बाद चौथे गेम में भी मनुष शाह और दिया चितले लय नहीं दिखे और 2-11 से मुकाबला गंवा बैठे। इस हार के साथ उनका सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया, लेकिन उन्होंने भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। मनुष और दिया एशियन गेम्स में मेडल जीतने वाली भारत की दूसरी मिक्स्ट डबल्स टेबल टेनिस जोड़ी बन गई है। उनसे पहले शरथ कमल और मनिका बत्रा ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

नेपाल ने अफगानिस्तान को 16 गेंद पहले 5 विकेट से हराया



निशिन । एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की शुरुआत खराब रही और टॉप-3 बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पारी की शुरुआत करने आए मोहम्मद अकरम 2 रन और हसन ईसाखिल बिना खाता खोले आउट हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए फैसल शिलोजादा और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नजबुल्ला जादरान ने टीम को संभाला। दोनों ने 30-30 रन की पारी खेली और टीम को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 102 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए नागेयालिया खरोटी ने भी नाबाद 17 रन बनाए।

नेपाल की तरफ से ललित राजवंशी ने 3 और कुशल भुर्तेल ने 4 विकेट लिए। 103 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 12 के स्कोर पर 2 और 31 के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन संदीप जोरा के 35 गेंदों पर बनाए 34 रन और पूर्व कप्तान रोहित पौडेल के 32 गेंदों पर बनाए नाबाद 33 रनों की बदौलत टीम ने 17.2 ओवर में 5 विकेट पर 103 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीत लिया। कप्तान दीपेन्द्र सिंह ऐरी ने भी 15 रन बनाए। नेपाल का अगला मैच शनिवार को जापान से होना है। इस मैच में जीत की स्थिति में नेपाल ग्रुप में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में जाएगा। नेपाल और अफगानिस्तान के बीच यह पांचवां टी20 मैच था। पांच मैचों में नेपाल की यह दूसरी जीत थी। नेपाल ने अफगानिस्तान को पहली बार 2014 में चटगांव में हराया था।

राजू, थेन्नारासु, रामराज और मनु की चौकड़ी ने देश को दिलाया रजत



पीएम मोदी ने ली बधाई

मोदी ने बधाई दी है। पीएमओ ने एक्स पर पीएम मोदी के हवाले से लिखा, ‘हमारी मिक्स्ट 4×400 मीटर रिले टीम का शानदार प्रदर्शन। मनु टीएस, पूलम्मा एमआर, विशाल टीके और विथ्या रामराज को एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई। उनकी गति, तालमेल और पक्के इरादे ने रेस को रोमांचक बना दिया और भारतीय एथलेटिक्स के लिए गर्व का पल बना। उम्मीद है कि वे और भी ऊंचाइयों को छूते रहेंगे।’ प्रतियोगिता में बहरीन ने 3:12.87 के गेम्स रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण जीता, जबकि वियतनाम 3:14.54 में रेस पूरी करके तीसरे नंबर पर रहा और ब्रांन्ज मेडल जीता। जापान 3:15.52 के साथ चौथे स्थान पर रहा। भारतीय दल ने 4×400 मीटर इवेंट में शानदार प्रदर्शन का दौर बरकरार रखा। भारतीय दल ने एशियन गेम्स जकार्ता 2018 में इस इवेंट में गोल्ड और हांगझोऊ एशियन गेम्स 2023 में सिल्वर जीता था। विशाल ने इससे पहले दक्षिण कोरिया के गुमी में 2025 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मिक्स्ट 4×400 मीटर रिले में गोल्ड और पुरुषों की 4×400 मीटर रिले में सिल्वर जीता था, जहां वह व्यक्तिगत 400 मीटर में भी चौथे स्थान पर रहे थे। भारत के रिले प्रोग्राम की एक और अहम सदस्य विथ्या ने ओलंपिक गेम्स में देश का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें पेरिस 2024 में 4×400 मीटर रिले भी शामिल है। उन्होंने 2022 एशियन गेम्स में मिक्स्ट 4×400 मीटर रिले में सिल्वर और 2023 एशियन गेम्स में 400 मीटर हर्डल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

50 मीटर राइफल 3पी टीम सिल्वर के बाद ऐश्वर्य

नीरज व्यक्तिगत मेडल से चूके



नागोया ,एजेसी। भारतीय राइफल शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार शुक्रवार को यहां ऐची ग्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 50 मीटर 3-पोजीशन इवेंट के फाइनल में मेडल से चूक गए। वे क्रमशः पांचवें और आठवें स्थान पर रहे। ऐश्वर्य 327.6 के साथ पांचवें

स्थान पर रहे, जबकि नीरज 299.0 के साथ आठवें स्थान पर रहे। चीन के युकुन लियू ने 360.5 के गेम्स-रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि झ्वांग चांगहोंग ने 360.2 के साथ सिल्वर जीता। इस्लाम सतपायेव ने 348.3 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। ऐश्वर्य शुरुआती स्टेज में

रेस में बने रहे, प्रोन सीरीज के बाद छठे स्थान पर रहे, फिर दूसरी नीलिंग सीरीज के बाद 205.3 के साथ पांचवें स्थान पर पहुंचे और आखिर में ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहे। नीरज का फाइनल ज्यादा मुश्किल साबित हुआ और वह 299 के स्कोर के साथ आठ फाइनलिस्ट में सबसे आखिर में रहे। ऐश्वर्य हांगझोऊ में हुए पिछले एशियन गेम्स में भारत के सबसे सफल शूटर्स में से एक थे। उन्होंने चार पदक जीते थे। उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम इवेंट्स में गोल्ड और 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन में सिल्वर मेडल जीता था। इससे पहले, ऐश्वर्य, नीरज और रुद्राक्ष की तिकड़ी ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम फाइनल में सिल्वर मेडल जीता, जिसमें उन्होंने कुल 1762-94× का स्कोर करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि चीन (1766-95×) ने गोल्ड और साउथ कोरिया (1751-87×) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ट टीम इवेंट में, सुरुचि और कमलजीत ने रिकॉर्ड-तोड़ परफॉर्मंस देते हुए गोल्ड मेडल जीता।

मिनर्वा पब्लिक स्कूल बना देश का नया चैंपियन

चंडीगढ़,एजेसी। मिनर्वा पब्लिक स्कूल ने सीआईएससीई का प्रतिनिधित्व करते हुए 65वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट के जूनियर व्वायज अंडर-17 वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। डॉ. ओंबेडकर स्टेडियम में पलडलाइट्स की रोशनी में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में मिनर्वा ने केरल को 3-2 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। शाम छह बजे शुरू हुए खिताबी मुकाबले का सौधा प्रसारण प्रसार भारती स्पोर्ट्स पर किया गया। दोनों टीमों के बीच पूरे मुकाबले में काटे की टक्कर देखने को मिली। मिनर्वा ने अपने आक्रामक 4-3-3 फॉर्मेशन के साथ मैदान संभाला। गोलपोस्ट की जिम्मेदारी कप्तान और गोलकीपर ख. योहैनबा ने संभाली। डिफेंस में सैलेक्स, चिंगखेई, टोनी और मोहम्मद आजम खान उतरे, जबकि मिडफील्ड में मूसा, पुनशिबा मेइतेई और चेतन तिवारी ने खेल की गति को नियंत्रित की। फॉरवर्ड लाइन में महेश, योहैनबा और सेंटर फॉरवर्ड राज ने केरल के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया। मिनर्वा ने मैच की शुरुआत से ही हाई-प्रेसिंग गेम अपनाया और केरल को उसके हाफ में दबाव में रखा। इसका फायदा सातवें मिनट में मिला। राइट विंगर महेश ने विपक्षी डिफेंडर को छकाते हुए बॉक्स के किनारे पर शानदार लो-पास कटबैक दिया। ओवरलैप करते हुए आगे बढ़े मोहम्मद आजम खान ने पहले ही टच में कर्लिंग शॉट लगाकर गेंद को बॉटम लेफ्ट कॉर्नर में पहुंचा दिया और मिनर्वा को 1-0 की बढ़त दिला दी।

3-2 से हराकर जीता 65वां सुब्रतो कप

इसके बाद केरल ने तेज काउंटर-अटैक के जरिए वापसी की और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पहले हाफ के बाकी समय में दोनों टीमों के बीच मिडफील्ड में गेंद पर कब्जे को लेकर कड़ी जंग जारी रही। चिंगखेई और टोनी ने कई अहम टैकल करते हुए केरल के हमलों को रोक़ा और हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 रहा। दूसरे हाफ में मिनर्वा ने फिर से आक्रामक शुरुआत की। 39वें मिनट में पुनशिबा मेइतेई ने बॉक्स से करीब 25 गज दूर मिली लूज बॉल को अपने दाएं पैर पर सेट किया और जोरदार डिपिंग लॉन्ग-रेंज शॉट लगाया। गेंद केरल के गोलपोस्ट के ऊपरी हिस्से में जा लगी और मिनर्वा ने 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। इसके सात मिनट बाद 46वें मिनट में मिनर्वा को बाईं ओर से कॉर्नर मिला। योहैनबा ने फार पोस्ट की ओर इन-स्विगिंग क्रॉस डाला, जहां मोहम्मद आजम खान ने हवा में उछलकर शानदार हेडर लगाया और गेंद को जाली में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ आजम खान ने अपना दूसरा गोल करते हुए ब्रेस पूरा किया और मिनर्वा की बढ़त 3-1 हो गई। केरल ने आंतिम पलों में वापसी की कोशिश करते हुए एक और गोल दागकर स्कोर 3-2 कर दिया। इसके बाद मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया। मिनर्वा के गोलकीपर ख. योहैनबा ने आंतिम मिनटों में शानदार बचाव किए,



जब हम पौडियम पर खड़े थे और राष्ट्रगान बजा तो वह एहसास बिल्कुल अलग था: नंदिनी शर्मा



चंडीगढ़,एजेसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इससे पहले, भारत ने 2023 हांगझोऊ एशियन गेम्स में भी महिला क्रिकेट का गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। दाएं हाथ की गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने इस उपलब्धि पर गर्व जताया है। एशियन गेम्स में सोने का तमगा हासिल करने के बाद नंदिनी शर्मा ने आईएनएस के साथ खास बातचीत में कहा, ‘यह एशिया कप के फाइनल मैच की बात है। तब मुझे बेस्ट फील्डिंग के लिए मेडल मिला था। बेस्ट फील्डिंग के लिए मेडल मिलने का एहसास मेरे लिए बहुत ही शानदार था। बहुत अच्छा लगा था।’ बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में 3 विकेट हासिल करने वाली नंदिनी शर्मा ने कहा, ‘हमें बस अपना बेस्ट क्रिकेट

खेलने के लिए कहा जाता है। नतीजा चाहे जो भी हो, हमें बस अपना बेस्ट खेलना है। अब तक आप जो अच्छा करते आ रहे हैं, उसे जारी रखना है। स्मृति दी (स्मृति मंधाना), जेमी (जेमिमा रोड्रिगेज) मुझे काफी सपोर्ट करती हैं। विमेश प्रीमियर लीग में जेमी के अधीन मेरा करियर शुरू हुआ था। वहां से मेरी जिंदगी बदल गई, क्योंकि जेमी ने मुझे बहुत सपोर्ट किया। स्मृति दी, हमेशा की तरह, हर बार मुझे सपोर्ट करती हैं, मेरा साथ देती हैं और मुझे समझाती हैं कि क्या करना है।’ एशियन गेम्स 2026 में अब तक भारत को एकमात्र गोल्ड हाथ लगा है, जो भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दिलाया। नंदिनी ने कहा, ‘भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल लाना बहुत गर्व की बात है। यह एहसास अद्भुत है।

बारिश के बीच मैहर में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन, तमस नदी समेत कई जगह बनाए कुंड

ढोल-नगाड़ों और जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने दी बप्पा को विदाई, पुलिस-प्रशासन ने संभाली सुरक्षा व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। दस दिवसीय गणेश उत्सव के समापन पर शुक्रवार को मैहर में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया सुबह से तेज बारिश होने के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कमी नहीं आई अलग-अलग क्षेत्रों से श्रद्धालु गणेश प्रतिमाओं को लेकर विसर्जन स्थलों तक पहुंचे इस दौरान ढोल-नगाड़ों की धुन के साथ गणपति बप्पा मोरया, आगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे गुंजते रहे बारिश के बीच श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और भगवान गणेश को अंतिम विदाई दी कई स्थानों से प्रतिमाओं की शोभायात्राएं निकलीं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बारिश के कारण रस्तों और विसर्जन स्थलों पर प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ी कई स्थानों पर बनाए विसर्जन कुंड नगर



पालिका और प्रशासन ने प्रतिमाओं के सुरक्षित विसर्जन के लिए तमस नदी, सोनवारी और बांधा बेरियल सहित विभिन्न स्थानों पर विसर्जन कुंड तैयार कराए थे इन स्थानों पर नगर पालिका प्रशासन और पुलिस के कर्मचारियों की तैनाती की गई। निर्धारित स्थानों पर ही प्रतिमाओं



से निर्धारित स्थानों पर ही प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया पुलिसकर्मियों ने लोगों को नदी और गहरे पानी से दूर रहने की समझाइश भी दी सुरक्षा को लेकर प्रशासन रहा सतर्क बारिश और जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था

बनाए रखने पर विशेष जोर दिया श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित करने के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई प्रशासन की ओर से लोगों से अपील की गई कि वे सुरक्षा निर्देशों का पालन करें और नदी के गहरे हिस्सों में जाने से बचें विसर्जन के दौरान

मृत जानवर नहीं उठे, कचरे के ढेर लगे रैमकी कंपनी की सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का जिम्मा संभाल रही रैमकी कंपनी की कार्यप्रणाली को लेकर शहरवासियों में नाराजगी सामने आ रही है आरोप है कि कंपनी की लापरवाही के कारण शहर के कई इलाकों में मृत जानवर पड़े हैं जिससे दुर्गंध फैल रही है और आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जानकारी के अनुसार नगर निगम क्षेत्र में मृत जानवरों को उठाने का ठेका रैमकी कंपनी के पास है। इसके बावजूद कई स्थानों पर मृत जानवर समय पर नहीं उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय तक शव पड़े रहने से सड़ुंध फैल रही है इससे आसपास के रहवासियों को बदबू और गंदगी के बीच रहने को मजबूर होना पड़ रहा है कंपनी कर्मचारी ने वाहन नहीं होने की बात कही मामले में कंपनी के कर्मचारी धीरेन्द्र प्यासी से संपर्क किए जाने पर उन्होंने कथित तौर पर कहा कि कंपनी के पास वाहन उपलब्ध नहीं है इस जवाब के बाद कंपनी की व्यवस्था और नगर निगम की

निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं लोगों का सवाल है कि यदि मृत जानवरों को उठाने के लिए पर्याप्त वाहन उपलब्ध नहीं हैं तो सेवा किस तरह संचालित की जा रही है और इसकी जिम्मेदारी तय करने के लिए नगर निगम की ओर से क्या व्यवस्था है कचरा संग्रहण व्यवस्था भी प्रभावित स्थानीय लोगों के अनुसार घर-घर से कचरा उठाने के लिए संचालित वाहन भी नियमित रूप से नहीं पहुंच रहे हैं कई वार्डों में कचरा संग्रहण वाहन कभी आते हैं तो कभी नहीं आने के कारण कचरे के ढेर लगने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इससे सफाई व्यवस्था प्रभावित होने के साथ लोगों को असुविधा हो रही है शहरवासियों ने नगर निगम आयुक्त से मामले में हस्तक्षेप कर संबंधित कंपनी की कार्यप्रणाली की जांच कराने, आवश्यक कार्रवाई करने और मृत जानवरों के तत्काल उठाव के साथ घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को नियमित कराने की मांग की है स्थानीय लोगों का कहना है कि सफाई जैसी मूलभूत नागरिक सुविधा में लापरवाही पर प्रभावी निगरानी जरूरी है।

दीनदयाल जयंती पर ग्रामोदय पखवाड़े का शुभारंभ, एकात्म मानवदर्शन का दिया संदेश



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट में शुक्रवार को पांडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती श्रद्धा और विविध कार्यक्रमों के साथ मनाई गई। इस अवसर पर 25 सितंबर से भारत रत्न राष्ट्रमूषि नानाजी देशमुख के जन्मदिवस 11 अक्टूबर तक चलने वाले ग्रामोदय पखवाड़ा का शुभारंभ भी किया गया संस्थान के विभिन्न प्रकल्पों और ग्रामीण क्षेत्रों के स्वावलंबन केंद्रों



में एकात्म मानवदर्शन का संदेश पहुंचाते हुए कार्यक्रम आयोजित किए गए दीनदयाल परिसर स्थित दीनदयाल पार्क में गुरुकुल संकुल, उद्यमिता विद्यापीठ, सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय, रामदर्शन, आईटीआई एवं आरोग्यधाम के कार्यकर्ताओं ने पांडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया विभिन्न प्रकल्पों में उनके जीवन से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंगों का मंचन भी किया गया सामूहिक

व्यक्ति से परिवार, समाज, राष्ट्र और विश्व की एकात्मता पर आधारित था। डॉ. भरत मिश्रा ने कहा कि दीनदयाल जी ने भारतीय चिंतन और राजनीति को नया आयाम दिया तथा उनके विचारों को नानाजी देशमुख ने धरातल पर उतारने का कार्य किया। डॉ. त्रिपाठी ने अंत्योदय के विचार को पीढ़ित और उपेक्षित वर्ग के कल्याण से जोड़ते हुए नानाजी के योगदान को रेखांकित किया इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान के प्रशिक्षण केंद्रों सहित मझगावां, गनीवां और चित्रकूट के विभिन्न संस्थानों में भी कार्यक्रम हुए। ग्रामोदय पखवाड़े के दौरान स्वच्छता, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पर्यावरण, स्वास्थ्य और कृषि विषयों पर जनजागरूकता कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं एवं गोष्ठियां आयोजित की जाएंगी।

13 वर्षों में 921 नेत्रदान और 5 देहदान, 27 सितंबर को होगा 11वां सम्मान समारोह

अमर ज्योति संस्था के प्रयासों से बढ़ी नेत्र एवं देहदान के प्रति जागरूकता, 98 दानवीरों का होगा सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन में रोशनी और नई उम्मीद जगाने के उद्देश्य से अमर ज्योति संस्था पिछले 13 वर्षों से नेत्रदान और देहदान के प्रति जनजागरूकता अभियान चला रही है संस्था के सहयोग से अब तक मध्यप्रदेश में 921 नेत्रदान कराए जा चुके हैं इसके अलावा पांच देहदान और 91 संकल्प पत्र भी भराए गए हैं नेत्र एवं देहदान करने वाले परिवारों के सम्मान के लिए संस्था द्वारा लगातार सम्मान समारोह आयोजित किए जा रहे हैं इसी क्रम में अमर ज्योति का 11वां नेत्रदाता परिजन सम्मान समारोह 27 सितंबर को सुबह 10:30 बजे होटल ओम रिसॉर्ट में आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम में इस वर्ष नेत्र एवं देहदान से जुड़े 98 दानवीरों के परिजनों का सम्मान किया जाएगा आयोजन में नेत्र प्राप्त करने वाले लोगों को भी आमंत्रित किया गया है जो दृष्टि प्राप्त होने के बाद अपने अनुभव साझा करेंगे कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण फिल्म हनुमान अंश से प्रसिद्ध गायक सुनील लोधी होंगे। दृष्टिबाधित सुनील लोधी अपनी प्रस्तुति भी दौरे दिल्ली के सुप्रसिद्ध कार्डियक सर्जन डॉ. गुगल किशोर मिश्रा और संस्था के मार्गदर्शक एवं महापौर योगेश ताम्रकार अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे सोशल मीडिया से जनजागरूकता अभियान संस्था द्वारा नेत्रदान, देहदान और आंगदान के महत्व को लेकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिला मुख्यालयों के साथ नागद, जैतवा, अमरघाटन, सीधी, चित्रकूट, रामपुर बघेलान, कटनी, उचेहर, रीवा, छतरपुर और शहडोल सहित विभिन्न क्षेत्रों



में स्कूल, कॉलेज, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के माध्यम से शिविर लगाए जाते हैं संयोजक मनोहर डिंगानी ने बताया कि नेत्रदान मृत्यु के कुछ घंटे के भीतर किया जाता है। उन्होंने कहा कि लोगों में आंध्र निकालने को लेकर अभी भी कई भ्रांतियां हैं जिन्हें जागरूकता के माध्यम से दूर करने की जरूरत है। अमर ज्योति का उद्देश्य केवल नेत्रदान कराना नहीं, बल्कि ऐसी मानवीय प्रेरणा पैदा करना है, जिससे मृत्यु के बाद भी जीवन को नई रोशनी मिल सके मीडिया प्रभारी विनोद गेलानी और स्यामलाल गुप्ता ने बताया कि समारोह वर्षभर के जागरूकता प्रयासों का परिणाम है।

बंध में 'हिंद में सिंध' जन-जागरण अभियान को गति देने होगी बैठक

27 सितंबर को सतना में जुटेंगे सिंधी समाज के प्रतिनिधि अभियान के विस्तार और जनजागरूकता पर होगा मंथन



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत में सिंध राज्य की मांग से जुड़े देशव्यापी हिंद में सिंध' जन-जागरण अभियान को विंध्य क्षेत्र में गति देने के उद्देश्य से विंध्य सिंधु महासंघ द्वारा 27 सितंबर को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक रविवार को शाम 3:30 बजे होगी इसमें विंध्य क्षेत्र के विभिन्न जिलों से सिंधी समाज के प्रतिनिधि सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक शामिल होंगे आयोजकों के अनुसार बैठक में रितायर्ड पुलिस कमिश्नर राजाराम भागवानी (लखनऊ) मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहेंगे। अभियान के राष्ट्रीय संयोजक

किशोर त्रिगलानी (अहमदाबाद) भी विशेष रूप से शामिल होंगे। सतना के अलावा रीवा, सीधी, मैहर, नागद, जैतवारा सहित विंध्य के अन्य क्षेत्रों से समाज के प्रतिनिधियों की सहभागिता प्रस्तावित है बैठक में हिंद में सिंध अभियान के विस्तार, जनसंपर्क और समाज के बीच जागरूकता बढ़ाने को लेकर चर्चा की जाएगी आयोजकों का कहना है कि यह अभियान सिंधी समाज की पहचान, भाषा, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत से जुड़े विषयों को सामने रखने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। बैठक में अभियान की गतिविधियों को विंध्य क्षेत्र के विभिन्न नगरों तक पहुंचाने और अधिक लोगों को इससे जोड़ने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा विंध्य सिंधु महासंघ ने बताया कि अभियान के तहत समाज के विभिन्न वर्गों तक विषय की जानकारी पहुंचाने तथा जनजागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए सामाजिक संगठनों और स्थानीय स्तर पर सक्रिय संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित करने की योजना है महासंघ पदाधिकारियों ने कहा कि विंध्य क्षेत्र के विभिन्न नगरों में अभियान को प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए संगठित प्रयास किए जाएंगे बैठक को इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया जा रहा है।

फार्मासिस्ट की भूमिका और सुरक्षित दवा उपयोग का दिया संदेश, ए.के.एस. में जागरूकता रैली व स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।

ए.के.एस. विश्वविद्यालय के राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों की श्रृंखला के दूसरे दिन फार्मा अवेयरनेस रैली, स्वास्थ्य जागरूकता शिविर और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराना रहा अपोलो जेबीपी अस्पताल, जबलपुर के सहयोग एवं ऑफिस डीन स्टूडेंट वेलफेयर के संयोजन में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों की निःशुल्क रक्तचाप, रक्त शर्करा, कोलेस्ट्रॉल और दंत जांच की



गई मेडिकल टीम ने स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह एवं व्यक्तिगत परामर्श दिया सभी प्रतिभागियों के निःशुल्क हेल्थ कार्ड भी बनाए गए फार्मा अवेयरनेस रैली में फार्मेसी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के माध्यम से फार्मासिस्ट की भूमिका, औषधियों के सुरक्षित उपयोग और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया इसके बाद मॉडल, पोस्टर, साइट्टन, फार्मा

मार्केटिंग, फार्मा क्विज और रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी रचनात्मकता और विषयगत ज्ञान का प्रदर्शन किया विजेता विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए समापन अवसर पर मेडिकल टीम ने विद्यार्थियों से संवाद कर स्वास्थ्य एवं फार्मेसी से जुड़े विषयों पर चर्चा की विद्यार्थियों

26 सितंबर को होगा आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। सेवा-संस्कल्प अभियान के तहत जिले में 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसकी शुरुआत शनिवार को परियोजना क्रमांक 1 एवं 2 में होगी इन परियोजनाओं के आंगनवाड़ी केंद्रों पर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी कार्यक्रम को लेकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों ने घर-घर संपर्क कर महिलाओं को हल्दी-चावल देकर रसैह आमंत्रण दिया उन्हें आंगनवाड़ी केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों से बच्चों, माताओं और अभिभावकों के जुड़व को मजबूत करना है इस दौरान केंद्रों पर बच्चों, माताओं एवं अभिभावकों से संवाद किया।

बारिश के बीच गणपति बप्पा को दी विदाई, चार विसर्जन स्थलों पर 200 से ज्यादा प्रतिमाएं विसर्जित

माधवगढ़ रफटा रहा मुख्य केंद्र, क्रेन-बैरिकेडिंग के साथ एसडीआरएफ और मोटर बोट रही तैनात



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर में शुक्रवार को दस दिवसीय गणेश उत्सव का श्रद्धा और उत्सास के साथ समापन हुआ सुबह से रक्त-स्वक्तर बारिश होती रही,

लेकिन श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। दोपहर से शहर के अलग-अलग मोहल्लों और गणेश पंडालों से प्रतिमाओं की शोभायात्राएं निकलना शुरू हुई ट्रेड्स-ट्रॉलियों और

अन्य वाहनों में सजी गणेश प्रतिमाओं को श्रद्धालु विसर्जन स्थलों तक लेकर पहुंचे शोभायात्राओं के दौरान ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते नजर आए शहर की

प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाएं की थी सभी प्रमुख स्थलों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई बड़ी प्रतिमाओं को सुरक्षित तरीके से विसर्जित करने के लिए जैन लगाई गई थी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग की गई, जबकि नदी के गहरे हिस्से में लोगों को जाने से रोकने के लिए फ्लोटिंग वॉल लगाई गई थी सभी विसर्जन स्थलों पर कार्यपालक मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल तैनात रहा आपात स्थिति में नेत्रदान के लिए एसडीआरएफ की टीम और मोटर बोट भी अलर्ट पर रखी गई इस तरह बारिश के बीच देर रात तक चले विसर्जन के साथ दस दिवसीय गणेश उत्सव का समापन हो गया।

अवैध शराब बिक्री के विरोध में महिलाओं का हंगामा, किराना दुकान से शराब बरामद

लाठी-डंडे लेकर पहुंची महिलाएं, प्रशासन ने दुकान बंद कराई; संचालक फरार, तलाश जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोलगांव थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 16 स्थित कुपालपुर पुरनिहा बस्ती में शुक्रवार को अवैध शराब बिक्री के विरोध में महिलाओं का आक्रोश सामने आया बड़ी संख्या में महिलाएं लाठी-डंडे लेकर एक किराना दुकान पर पहुंचीं और हंगामा करते हुए दुकान बंद करने की मांग की महिलाओं का आरोप था कि दुकान की आड़ में लंबे समय से अवैध रूप से शराब बेची जा रही थी स्थानीय महिलाओं के अनुसार, शिवकुमार उर्फ बेटू चौधरी को चिरना दुकान से कथित तौर पर शराब की बिक्री की जा रही थी इस संबंध में पहले ही प्रशासन से शिकायतें किए जाने का दावा महिलाओं ने किया, लेकिन कार्रवाई नहीं होने से नाजगरी बनी हुई थी। महिलाओं ने बताया कि दुकान के



पास ही एचटीसी स्कूल है जहां छोटे बच्चे पढ़ने आते हैं वहीं अंबेडकर स्कूल के नजदीक काली मां का मंदिर भी स्थित है शराब बिक्री के कारण यहां नशे में लोगों का जमावड़ा रहने और आए दिन गाली-गलौज होने का आरोप लगाया गया हंगामे की सूचना मिलते ही एसडीएम सिटी रहलु सिलाडिया सीएसपी मनीष त्रिपाठी और कोलगांव थाना प्रभारी सुदीप सोनी पुलिस बल के साथ मौक पर पहुंचे अधिकारियों की मौजूदगी में दुकान की तलाशी ली गई पुलिस-प्रशासन के अनुसार, तलाशी के दौरान दुकान से काफी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई इसके बाद प्रशासन ने तत्काल दुकान बंद कर दी हालांकि अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही दुकान संचालक मौके से फरार हो गया पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है महिलाओं ने क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने और नियमित निगरानी की मांग की है।